कानपुर, सोमवार, 16 मार्च, 2026
वर्ष: 03, अंक: 68, पृष्ठ: 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

मूल्य: 2 ₹

इनसाइड जंग पर अड़ा ईरान, 'न सीजफायर, न बातचीत'...>Pg12

गैस की किल्लत में कालाबाजारी का भंडाफोड़...>Pg03

कटक मेडिकल कॉलेज के आईसीयू में भीषण आग, 10 मरीजों की दर्दनाक मौत

करुण चीखों के बीच बुझ गईं सांसें

स्वराज इंडिया ब्यूरो

कटक (ओडिशा)। ओडिशा के कटक स्थित SCB Medical College and Hospital में रविवार देर रात एक भयावह हादसे ने अस्पताल को मातम में बदल दिया। ट्रॉमा केयर आईसीयू में लगी भीषण आग और जहरीले धुएं की चपेट में आकर कम से कम 10 मरीजों की मौत हो गई, जबकि कई कर्मचारी और मरीज झुलस गए। यह हादसा रात करीब 3 बजे के आसपास हुआ, जब अधिकांश मरीज गंभीर हालत में जीवन से जूझ रहे थे।

बताया जा रहा है कि आईसीयू में उस समय करीब 23 मरीज भर्ती थे। आग लगते ही पूरे वार्ड में काला धुआं तेजी से भर गया। कई मरीज ऑक्सीजन सपोर्ट पर थे और खुद को बचाने की स्थिति में नहीं थे। दम घुटने और लपटों की चपेट में आने से सात मरीजों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे के बाद अस्पताल में अफरातफरी मच गई। डॉक्टरों और कर्मचारियों ने जान जोखिम में डालकर मरीजों को बाहर निकालने की कोशिश की। इस दौरान कम से कम 11 कर्मचारी भी झुलस गए, जिनमें कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। बचाव दल ने दर्जनों मरीजों को अन्य वार्डों में शिफ्ट कर उनकी जान बचाई। घटना की जानकारी मिलते ही ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरन माझी अस्पताल पहुंचे और हालात का जायजा लिया। उन्होंने मृतकों के परिजनों को 25-25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने और हादसे की उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस त्रासदी पर गहरा दुख जताते हुए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये की सहायता देने की घोषणा की। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि आईसीयू के एयर कंडीशनिंग सिस्टम या किसी मेडिकल उपकरण में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी, हालांकि वास्तविक कारणों का पता जांच के बाद ही चलेगा।

➩ रात के सन्नाटे में धुएं से भर गया ट्रॉमा आईसीयू, लपटों के बीच मरीजों को बचाने की जंग, कई कर्मचारी झुलसे, जांच के आदेश

एक त्रासदी जो सवाल छोड़ गई

कटक के इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर देश की अस्पताल सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिन वार्डों में जीवन बचाने की उम्मीद होती है, वहीं जब लपटें उठती हैं तो असहाय मरीज सबसे पहले इसकी कीमत चुकाते हैं। जांच रिपोर्ट आने तक यह साफ नहीं होगा कि यह तकनीकी खराबी, लापरवाही या सुरक्षा मानकों की अनदेखी का नतीजा था लेकिन इतना तय है कि इस हादसे ने कई परिवारों की उम्मीदें हमेशा के लिए बुझा दीं।

विश्लेषण

हादसे की वजह क्या हो सकती है?

कटक के एससीबी मेडिकल कॉलेज एंड हास्पिटल में हुए इस भीषण अग्निकांड की जांच अभी जारी है, लेकिन शुरुआती संकेत कुछ संभावित कारणों की ओर इशारा करते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक अस्पतालों के आईसीयू में आग लगने के पीछे अक्सर तकनीकी और सुरक्षा संबंधी कई कारक जिम्मेदार होते हैं।

इलेक्ट्रिकल शॉर्ट सर्किट की आशंका

प्रारंभिक जांच में संकेत मिले हैं कि आईसीयू के एयर कंडीशनिंग सिस्टम या किसी मेडिकल उपकरण में शॉर्ट सर्किट हुआ हो सकता है। आईसीयू में लगातार चलने वाले मॉनिटर, वेंटिलेटर और अन्य मशीनों के कारण विद्युत लोड बहुत अधिक रहता है।

ऑक्सीजन सपोर्ट से बढ़ा खतरा

आईसीयू में बड़ी मात्रा में ऑक्सीजन सप्लाई होती है। आग लगने की स्थिति में ऑक्सीजन लपटों को तेजी से फैलाने का काम करती है, जिससे आग कुछ ही मिनटों में भयावह रूप ले सकती है।

बंद वार्ड में तेजी से फैला धुआं

आईसीयू जैसे बंद और वातानुकूलित वार्डों में धुआं तेजी से भर जाता है। कई मामलों में आग से ज्यादा मौतें दम घुटने से होती हैं।

फायर सेफ्टी सिस्टम की कमी या विफलता

यदि फायर अलार्म, स्प्रिंकलर या धुआं निकालने की व्यवस्था समय पर सक्रिय न हो, तो शुरुआती मिनटों में आग पर काबू पाना मुश्किल हो जाता है।

आपातकालीन निकास में बाधाएं

कई अस्पतालों में आपातकालीन निकास मार्ग पर्याप्त चौड़े या सक्रिय नहीं होते। गंभीर मरीजों को तुरंत बाहर निकालना भी बड़ी चुनौती बन जाता है।

नियमित फायर ऑडिट की कमी

विशेषज्ञों का मानना है कि अस्पतालों में नियमित फायर सेफ्टी ऑडिट और मॉक ड्रिल न होने से आपदा की स्थिति में प्रतिक्रिया धीमी पड़ जाती है।

हादसे का नजारा

हादसे से जुड़े अहम सवाल

- क्या आईसीयू में पर्याप्त फायर अलार्म और स्प्रिंकलर सिस्टम मौजूद थे?
- गंभीर मरीजों को सुरक्षित निकालने के लिए आपातकालीन निकास कितने प्रभावी थे?
- क्या अस्पताल में नियमित फायर सेफ्टी ऑडिट हुआ था?
- आईसीयू में ऑक्सीजन और इलेक्ट्रिकल उपकरणों के बीच सुरक्षा मानकों का पालन हुआ या नहीं?

क्यों ज्यादा खतरनाक होते हैं अस्पतालों में आग के हादसे

- अधिकांश मरीज चलने-फिरने में असमर्थ होते हैं
- ऑक्सीजन और इलेक्ट्रिकल उपकरण आग को तेजी से फैलाते हैं
- बंद वार्डों में धुआं जल्दी भर जाता है, जिससे दम घुटने का खतरा बढ़ जाता है
- मरीजों को हटाने में समय और प्रशिक्षित स्टाफ की जरूरत होती है

बचपन की तस्वीर से मिस यूपी तक पहुंची अंशिका

नकली ताज से असली क्राउन तक पूरा किया सफर

कानपुर की बेटी ने मेहनत और आत्मविश्वास के दम पर सौंदर्य प्रतियोगिता के मंच पर बड़ी उपलब्धि हासिल की

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर की प्रतिभाशाली बेटी अंशिका गुप्ता ने अपनी मेहनत और आत्मविश्वास के दम पर सौंदर्य प्रतियोगिता के मंच पर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। मैकेनिकल इंजीनियर अंशिका ने हाल ही में आयोजित मिस उत्तर प्रदेश प्रतियोगिता में फर्स्ट रनर-अप बनकर न सिर्फ अपने परिवार बल्कि पूरे कानपुर का नाम रोशन किया है।

अंशिका की सफलता की कहानी भी बेहद दिलचस्प है। बचपन में स्टूडियो में नकली ताज पहनकर खिंचवाई गई एक तस्वीर आज हकीकत बन चुकी है। दरअसल, उस समय उनकी मां ने मजाक-मजाक में बेटी को ताज पहनाकर फोटो खिंचवाई थी। उसी तस्वीर को याद करते हुए अंशिका बताती हैं कि मां की वही अधूरी ख्वाहिश उन्हें मिस यूपी के मंच तक ले आई।

कानपुर जर्नलिस्ट क्लब में पत्रकारों से बातचीत करते हुए अंशिका ने बताया कि यह उनका पहला ब्यूटी पेजेंट था और पहली ही कोशिश में रनर-अप बनना उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा है।

उन्होंने कहा कि भले ही पहला स्थान न मिला हो, लेकिन रनर-अप का ताज घर लाना भी उनके लिए बेहद खास है। अंशिका ने भावुक होकर कहा कि आज कहीं न कहीं उन्होंने अपनी मां का सपना पूरा कर दिया है। उनका लक्ष्य अब मिस इंडिया और आगे चलकर मिस यूनिवर्स का ताज जीतना है।

मिस यूपी के ग्रैंड फिनाले में जब अंशिका रैंप वॉक कर रही थीं, तब नीचे बैठी उनकी मां लगातार तालियां बजाकर उनका उत्साह बढ़ा रही थीं। अंशिका ने बताया कि मिस यूपी प्रतियोगिता के ऑडिशन में करीब 40 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। पहले इंट्रोडक्शन राउंड हुआ और उसके बाद फोन कॉल के जरिए अगले राउंड के लिए चयन की सूचना दी गई। जब उन्हें कॉल आया तो वह खुशी से झूम उठीं, क्योंकि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि पहली ही कोशिश में उनका चयन हो जाएगा। इसके बाद एक सप्ताह का ग्रूमिंग सेशन हुआ, जिसमें रैंप वॉक, स्टेज प्रेजेंस, कम्युनिकेशन और आत्मविश्वास से बोलने की ट्रेनिंग दी गई।

इंजीनियरिंग के साथ मॉडलिंग में भी बनाई पहचान

अंशिका गुप्ता की शुरुआती पढ़ाई कानपुर के डॉ. वीरेन्द्र स्वरूप एजुकेशन सेंटर, अवधपुरी से हुई। इसके बाद उन्होंने वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीटेक की डिग्री हासिल की। पढ़ाई के साथ-साथ उन्होंने अपने सपनों को भी हमेशा प्राथमिकता दी और मॉडलिंग के क्षेत्र में कदम रखा। फॉरएवर स्टार इंडिया द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए अंशिका ने पहले मिस कानपुर नगर का खिताब जीता और इसके बाद ग्रैंड फिनाले में मिस उत्तर प्रदेश फर्स्ट रनर-अप बनकर नई उपलब्धि हासिल की।

लड़कियों को देना चाहती हैं प्रेरणा

अंशिका का कहना है कि वह अपने इस मंच के जरिए समाज की बेटियों और युवतियों को प्रेरित करना चाहती हैं।

उनका मानना है कि हर लड़की को बड़े सपने देखने चाहिए और उन्हें पूरा करने का साहस भी रखना चाहिए। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय फॉरएवर स्टार इंडिया के संस्थापक राजेश अग्रवाल को देते हुए कहा कि यह मंच देश की बेटियों को अपने सपनों को साकार करने का अवसर दे रहा है।

अंशिका की इस उपलब्धि से कानपुर में खुशी का माहौल है और लोग इसे शहर के लिए गर्व की बात मान रहे हैं।

पुलिस मॉडर्न स्कूल में प्रवेश शुरू दरोगा से लेकर सिपाही तक हैं शिक्षक

श्याम नगर स्थित स्कूल में पीजी से 12वीं तक प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

» प्रमुख संवाददाता/ स्वराज इंडिया

कानपुर। श्याम नगर स्थित 37वीं वाहिनी पीएसी परिसर में संचालित पुलिस मॉडर्न स्कूल (पीएमएस) में नए शैक्षणिक सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। स्कूल में कक्षा पीजी से 12वीं तक हिंदी और अंग्रेजी माध्यम में प्रवेश दिए जा रहे हैं।

37वीं वाहिनी पीएसी के सेनानायक बी.बी. चौरसिया के मार्गदर्शन में स्कूल का तेजी से आधुनिकीकरण किया जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों को आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जा सके। स्कूल प्रबंधन के अनुसार बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए परिसर में कई नई और आधुनिक सुविधाएं विकसित की गई हैं।विद्यालय में स्मार्ट शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए डिजिटल कॉर्नर स्थापित किया गया है, जहां बच्चों को तकनीक आधारित पढ़ाई कराई

सेनानायक बीबी चौरसिया

जाएगी। इसके साथ ही विद्यार्थियों की रचनात्मक क्षमता को विकसित करने के लिए इनोवेशन लैब और म्यूजिक क्लास की व्यवस्था भी की गई है। छोटे बच्चों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए स्कूल परिसर में डे-केयर और क्रेच की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। बच्चों को प्रकृति और पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाने के लिए स्कूल में इको क्लब भी संचालित किया जा रहा है। वहीं खेलकूद को बढ़ावा देने के लिए परिसर में बैडमिंटन हॉल, वॉलीबॉल, फुटबॉल और क्रिकेट के लिए विशाल मैदान उपलब्ध हैं।

स्कूल प्रबंधन ने इस सत्र में अभिभावकों को राहत देते हुए प्रवेश शुल्क को पूरी तरह शून्य रखा है। साथ ही यदि एक ही परिवार के दो बच्चों का प्रवेश कराया जाता है तो दूसरे बच्चे की फीस में 20 प्रतिशत की विशेष छूट दी जाएगी। विद्यालय में विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए 24 घंटे सीसीटीवी निगरानी और मेडिकल सुविधा की भी व्यवस्था है। स्कूल प्रशासन ने बताया कि सीमित सीटों के कारण प्रवेश पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किए जाएंगे। अभिभावक अधिक जानकारी के लिए सीधे स्कूल परिसर में संपर्क कर सकते हैं या मोबाइल नंबर 8178666979 और 9454400369 पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

ग्रामीण बैंक के मैनेजर पर रिश्वतखोरी का लगा आरोप

» लोन पास कराने के नाम पर 20 से 35 हजार रुपये तक उगाही का आरोप

» करीब 50 उपभोक्ताओं ने क्षेत्रीय प्रबंधक को सौंपा लिखित प्रार्थना पत्र, जांच की मांग

शाखा प्रबंधक हिरेंद्र सिंह चौहान

» प्रमुख संवाददाता/ स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर के भीतरगांव विकासखंड के साढ़ कस्बे में स्थित उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक की शाखा में डेयरी केसीसी लोन के नाम पर घूसखोरी का मामला सामने आया है। आरोप है कि शाखा प्रबंधक और फील्ड ऑफिसर दलालों के माध्यम से लोन पास कराने के बदले मोटी रकम वसूल रहे हैं। स्थानीय उपभोक्ताओं और बैंक मित्र अनुज कुमार साहू समेत करीब आधा सैकड़ा लोगों ने शाखा प्रबंधक हिरेंद्र सिंह चौहान और फील्ड ऑफिसर विजय सिंह पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

शिकायतकर्ताओं का कहना है कि 1,52,900 रुपये के लोन पर 20 से 25 हजार और 2,95,000 रुपये के लोन पर 30 से 35 हजार रुपये तक की उगाही की जाती है। यदि कोई उपभोक्ता पैसे देने से इनकार कर देता है तो उसकी पास हो चुकी फाइल भी रोक दी जाती है।पीड़ितों का आरोप है कि यह अवैध वसूली पिछले कई महीनों से जारी है और उपभोक्ताओं को दलालों के माध्यम से भुगतान करने के लिए मजबूर किया जाता है। बैंक मित्र अनुज कुमार साहू का कहना है कि बिना घूस दिए फाइल आगे नहीं बढ़ाई जाती, जिससे गरीब उपभोक्ता परेशान हैं।मामले को लेकर उपभोक्ताओं ने बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक कार्यालय पहुंचकर लिखित प्रार्थना पत्र दिया है और साक्ष्य भी प्रस्तुत किए हैं।ग्रामीणों ने उच्च अधिकारियों से निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

आरोपों को शाखा प्रबंधक ने साजिश बताया

हिरेंद्र सिंह चौहान, तत्कालीन शाखा प्रबंधक, ने अपने ऊपर लगे घूसखोरी के आरोपों को निराधार बताते हुए इसे साजिश करार दिया है। उनका कहना है कि उनसे पहले तैनात शाखा प्रबंधक और बैंक मित्र के माध्यम से कुछ संदिग्ध और अनियमित लेनदेन किए गए थे। जब उन्होंने इन लेनदेन की जांच शुरू की, तो इससे जुड़े लोगों ने उनके खिलाफ शिकायतें कराकर उन्हें बैंक से हटवाने की कोशिश शुरू कर दी।शाखा प्रबंधक के मुताबिक 13 मार्च को कुछ लोग उनकी शाखा में जबरन घुस आए और उनके साथ अभद्रता तथा गाली-गलौज की। उन्होंने बताया कि इस पूरे घटनाक्रम से जुड़े साक्ष्य एकत्रित कर क्षेत्रीय थाने में प्रार्थना पत्र भी दिया गया है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग की है, ताकि सच्चाई सामने आ सके।

मार्च में ही चढ़ने लगी गर्मी की तपिश

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। मार्च का महीना अभी आधा भी नहीं बीता है, लेकिन शहर में गर्मी ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। अधिकतम तापमान सामान्य से करीब 4.6 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया है, जिससे दिन के समय तेज धूप और गर्माहट महसूस की जा रही है।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) कानपुर के कृषि मौसम विज्ञान विभाग की ग्रामीण कृषि मौसम सेवा के अनुसार 16 मार्च को शहर का अधिकतम तापमान 33.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 4.6 डिग्री अधिक है। वहीं न्यूनतम तापमान 17.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 3.1 डिग्री ज्यादा है।

मौसम विभाग के मुताबिक अधिकतम सापेक्ष आर्द्रता 65 प्रतिशत और न्यूनतम 35 प्रतिशत रही। औसत पवन गति 7.8 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई, जबकि हवाओं की दिशा उत्तर-पश्चिम रही। दिनभर मौसम शुष्क बना रहा और वर्षा शून्य मिलीमीटर दर्ज की गई। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि मार्च के शुरुआती दिनों में ही तापमान का सामान्य से अधिक होना इस बात का संकेत है कि आने वाले दिनों में गर्मी तेजी से बढ़ सकती है। दोपहर के समय धूप की तीव्रता बढ़ने से लोगों को गर्मी का अहसास होने लगा है। हालांकि आगामी दिनों में मौसम में आंशिक बदलाव की संभावना भी जताई गई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग और सीएसए कानपुर से प्राप्त पूर्वानुमान के अनुसार अगले पांच दिनों तक हल्के से मध्यम बादल छाए रह सकते हैं। इसके साथ ही 20 और 21 मार्च के बीच तेज हवाओं के साथ स्थानीय स्तर पर हल्की वर्षा होने की संभावना है, जिससे तापमान में अस्थायी गिरावट आ सकती है।

कृषि मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार मौसम में यह बदलाव किसानों के लिए भी महत्वपूर्ण रहेगा, इसलिए खेतों में सिंचाई और फसलों की देखभाल मौसम के पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करने की सलाह दी गई है।

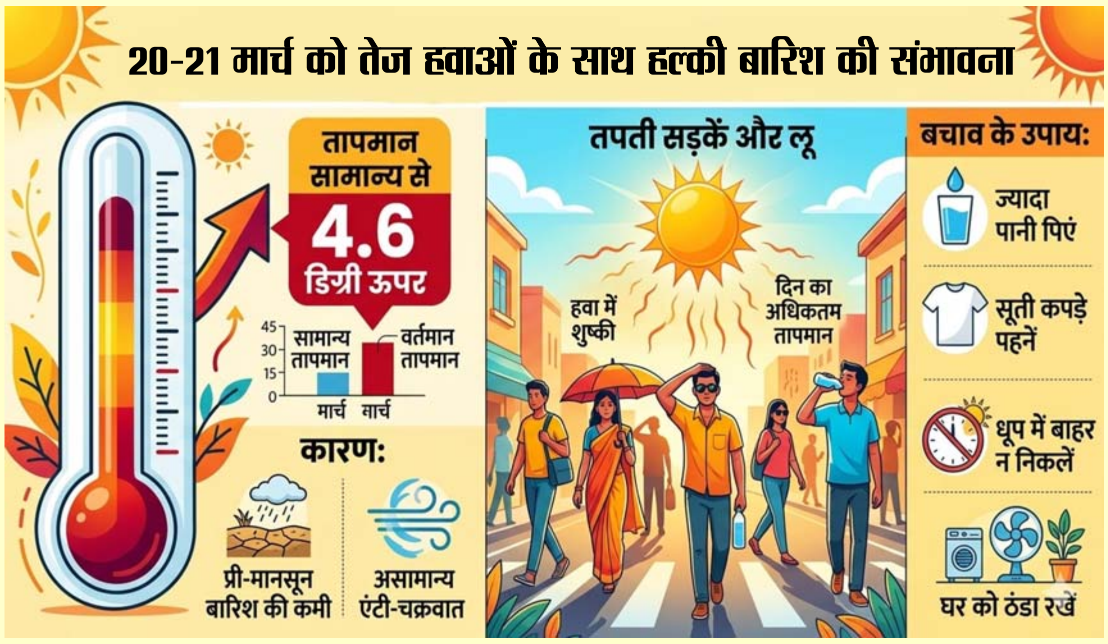

एक नजर में...

- अधिकतम तापमान 33.6°C, सामान्य से 4.6°C अधिक
- न्यूनतम तापमान 17.5°C, सामान्य से 3.1°C ज्यादा
- अधिकतम आर्द्रता 65% और न्यूनतम 35% दर्ज
- औसत हवा की गति 7.8 किमी/घंटा, दिशा उत्तर-पश्चिम
- 20-21 मार्च को तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश की संभावना
- मार्च में ही तापमान बढ़ने से गर्मी के जल्द तेज होने के संकेत

गैस की कालाबाजारी का भंडाफोड़, घर से 46 सिलिंडर बरामद

जिला पूर्ति विभाग की छापेमारी के बाद आवश्यक वस्तु अधिनियम में मुकदमा दर्ज

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर में गैस की किल्लत के बीच सिलिंडरों की कालाबाजारी का बड़ा मामला सामने आया है। ग्वालटोली क्षेत्र में जिला पूर्ति विभाग की टीम ने छापेमारी कर एक घर से खाली और भरे मिलाकर कुल 46 गैस सिलिंडर बरामद किए हैं। मामले में पूर्ति निरीक्षक की तहरीर पर आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

कर्नलगंज खाद्य क्षेत्र में तैनात पूर्ति निरीक्षक अपराजिता सिंह ने बताया कि गैस सिलिंडरों की कालाबाजारी की सूचना मिलने पर टीम ने ग्वालटोली निवासी इकबाल के घर पर छापा मारा। तलाशी के दौरान कमर्शियल गैस के आठ खाली और नौ भरे सिलिंडर बरामद हुए, जबकि घरेलू गैस के आठ खाली और 21 भरे सिलिंडर भी मौके से मिले।छापेमारी के दौरान छह रिफिलर और एक धर्मकांटा भी बरामद किया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपित घरेलू गैस सिलिंडरों से कमर्शियल सिलिंडरों में गैस भरकर उन्हें अधिक कीमत पर बेच रहा था। इससे न केवल सरकारी नियमों का उल्लंघन हो रहा था, बल्कि उपभोक्ताओं की सुरक्षा भी खतरे में पड़ रही थी।इस संबंध में अमित चौरसिया, एसीपी कर्नलगंज ने बताया कि पूर्ति निरीक्षक की तहरीर पर आरोपित के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

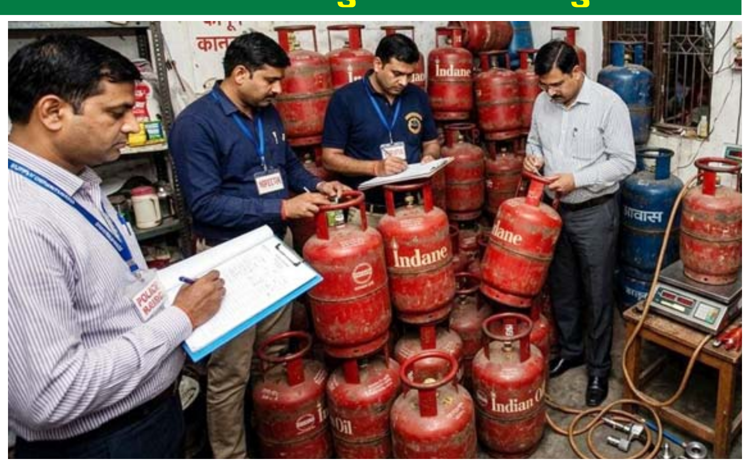

ठगी के आरोपी को महिला ने 6 सेकेंड में जड़े 9 थप्पड़

लोगों से दो करोड़ रुपये ठगने का आरोप, पैसे मांगने पर हुआ हंगामा

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर में करोड़ों रुपये की ठगी के आरोपी को एक महिला द्वारा सरेआम थप्पड़ मारने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि महिला ने आरोपी को महज छह सेकेंड में नौ थप्पड़ जड़ दिए।घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बाद में लोगों ने आरोपी को पकड़कर चकेरी थाना पुलिस के हवाले कर दिया।

जानकारी के अनुसार ओमपुरवा निवासी आरोपी कृष्ण प्रकाश सिंघानिया पर करीब 35 लोगों से दो करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी करने का आरोप है।पीड़ितों का कहना है कि आरोपी ने लोन दिलाने, प्लॉट और मकान दिलाने के नाम पर लोगों से आठ से 15 लाख रुपये तक ऐंठ लिए। लंबे समय तक कोई लाभ न मिलने पर जब लोगों ने अपनी रकम वापस मांगी तो आरोपी ने उन्हें धमकाना शुरू कर दिया।शनिवार शाम आरोपी कार से सनिगवां क्षेत्र में मिला तो पीड़ितों ने उसे रोककर अपने पैसे मांगे।

आरोप है कि वह नशे में था और लोगों से अभद्रता करने लगा। इसी दौरान एक महिला कार में घुस गई और गुस्से में उसे लगातार नौ थप्पड़ जड़ दिए। इसके बाद वहां मौजूद लोगों ने आरोपी की पिटाई कर उसे पुलिस के हवाले कर दिया।पीड़ितों का आरोप है कि पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करने के बजाय उल्टा उनके खिलाफ ही प्राथमिकी दर्ज करने की बात कही। इस पर पीड़ितों ने कहा कि यदि कार्रवाई नहीं हुई तो वे पुलिस आयुक्त से शिकायत करेंगे। वहीं थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र का कहना है कि मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

गुजैनी में मारपीट का वीडियो वायरल युवक पर एससी/एसटी एक्ट में केस

पुलिस बोली सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो अधूरा, जांच जारी

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। गुजैनी थाना क्षेत्र के जरौली फेज-2 इलाके में युवक और कुछ युवतियों के बीच मारपीट का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें युवतियां युवक की पिटाई करती दिखाई दे रही हैं।पुलिस के अनुसार 9 मार्च 2026 को क्षेत्र के एक युवक पर युवतियों के साथ फब्तियां कसने, अभद्र व्यवहार करने और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज करने का आरोप लगा है।

बताया गया कि इस दौरान विवाद बढ़ने पर प्रतिक्रिया स्वरूप युवतियों ने युवक के साथ मारपीट कर दी। मामले में युवती की तहरीर पर 10 मार्च को नामजद आरोपी विकास निवासी गुजैनी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं और एससी/एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा वीडियो अधूरा है और पूरी घटना को नहीं दर्शाता। फिलहाल पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है। वहीं पीड़ित पक्ष ने पुलिस पर उनकी शिकायत न सुनने का आरोप लगाते हुए डीसीपी दक्षिण कार्यालय पहुंचकर मामले की शिकायत की है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सभी तथ्यों की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आत्मविश्वास और संतुलन के साथ अलग राह चुनें, सफलता निश्चित: बहन शिवानी

सीआईआई कानपुर जोन के लीडरशिप कॉन्क्लेव में 600 से अधिक उद्योग प्रतिनिधियों ने लिया हिस्सा

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। बिठूर स्थित श्री गंगा वैली में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) कानपुर जोन द्वारा सीआईआई लीडरशिप कॉन्क्लेव का दूसरा संस्करण आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता प्रख्यात आध्यात्मिक वक्ता ब्रह्माकुमारी बहन शिवानी रहीं। उन्होंने नेतृत्व, व्यक्तिगत जीवन और पेशेवर दायित्वों के बीच संतुलन बनाए रखने तथा बदलते परिवेश में स्वयं को ढालने की आवश्यकता पर विस्तार से विचार साझा किए।

बहन शिवानी ने कहा कि अक्सर लोग वही रास्ता चुन लेते हैं जिस पर भीड़ चल रही होती है, लेकिन सच्चा लीडर वही होता है जो भीड़ का अनुसरण करने के बजाय अपनी दिशा स्वयं तय करता है।

आत्मविश्वास, स्पष्ट सोच और मूल्यों के साथ आगे बढ़ने वाले लोग ही वास्तविक सफलता प्राप्त करते हैं।

उन्होंने कहा कि घर का सकारात्मक और स्थिर वातावरण व्यक्ति की सोच, निर्णय क्षमता और कार्यकुशलता को मजबूत बनाता है। यदि व्यक्ति भावनात्मक रूप से संतुलित रहता है और मूल्यों पर आधारित जीवनशैली अपनाता है, तो वह व्यक्तिगत और संस्थागत दोनों स्तरों पर चुनौतियों का सामना करते हुए निरंतर प्रगति कर सकता है।

कॉन्क्लेव में 600 से अधिक उद्योग प्रतिनिधियों, पेशेवरों, नीति-निर्माताओं और प्रशासनिक अधिकारियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में नेतृत्व विकास, कार्यस्थल और परिवार में सकारात्मक वातावरण तथा व्यक्तिगत संतुलन जैसे विषयों पर सार्थक चर्चा हुई।

इस अवसर पर सीआईआई कानपुर जोन के चेयरमैन अमित अग्रवाल, वाइस-चेयरमैन गौरव पिलानिया, सीआईआई यूपी के पूर्व चेयरमैन आकाश गोयनका, सीआईआई कानपुर जोन के

पूर्व चेयरमैन विकास जायसवाल, डायरेक्टर एवं स्टेट हेड आलोक शुक्ला, शरत खेमका, आदित्य बरासिया सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

दिन में जलती स्ट्रीट लाइटें रात में अंधेरे में डूबे रास्ते

नगर पंचायत की लापरवाही से बिजली की हो रही बर्बादी

› प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। एक ओर प्रदेश सरकार बिजली बचाने और ऊर्जा संरक्षण को लेकर लोगों को जागरूक करने के लिए लगातार अभियान चला रही है, वहीं दूसरी ओर मूसानगर नगर पंचायत क्षेत्र में लापरवाही का आलम यह है कि कई स्थानों पर स्ट्रीट लाइटें दिन में जलती रहती हैं और रात में जब उनकी सबसे अधिक जरूरत होती है, तब कई मार्ग अंधेरे में डूबे रहते हैं। नगर पंचायत की इस कार्यशैली को लेकर स्थानीय लोगों में काफी नाराजगी देखी जा रही है।

कस्बे के प्रमुख मार्गों में शामिल गजनेर रोड, घाटमपुर रोड, मुगल रोड समेत कई स्थानों पर लगी स्ट्रीट लाइटें दिन के समय लगातार जलती रहती हैं। इससे एक ओर बिजली की अनावश्यक बर्बादी हो रही है तो वहीं दूसरी ओर नगर पंचायत की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार दिन में लाइटें जलती देखी जाती हैं, लेकिन रात के समय वही लाइटें बंद हो जाती हैं या कई दिनों से खराब पड़ी रहती हैं। गजनेर रोड पर स्थिति और भी खराब बताई जा रही है। यहां कई स्थान ऐसे हैं जहां रात में पूरी तरह अंधेरा छाया रहता है। राहगीरों, बाइक सवारों और पैदल चलने वाले लोगों को अंधेरे में आने-जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। खासकर महिलाओं और बुजुर्गों के लिए यह स्थिति और भी दिक्कत भरी हो जाती है। इसी तरह घाटमपुर रोड पर लगी कई स्ट्रीट लाइटें दिन में तो जलती रहती हैं, लेकिन रात में बंद हो जाती हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस समस्या को लेकर कई बार नगर पंचायत में शिकायत की जा चुकी है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

कस्बे के अंशुमान, लल्ला पाल, गोविंद कुमार, तफसीर समेत कई लोगों ने बताया कि गजनेर रोड पर कई जगहों पर रात के समय घना अंधेरा रहता है। वहीं घाटमपुर मार्ग पर लगी लाइटें दिन में भी जलती रहती हैं, जिससे बिजली की भारी बर्बादी हो रही है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इन लाइटों की व्यवस्था ठीक कर दी जाए तो बिजली की बचत भी होगी और रात में लोगों को रोशनी भी मिल सकेगी।स्थानीय लोगों ने यह भी बताया कि कई बिजली के खंभों पर लगी लाइटें लंबे समय से खराब पड़ी हुई हैं, लेकिन उन्हें ठीक कराने के लिए कोई पहल नहीं की जा रही है। नगर पंचायत के कर्मचारियों द्वारा समय-समय पर लाइटों की जांच और मरम्मत नहीं किए जाने के कारण यह समस्या लगातार बढ़ती जा रही है।

लोगों का कहना है कि नगर पंचायत को इस मामले में गंभीरता दिखानी चाहिए। दिन में जल रही स्ट्रीट लाइटों को बंद कराने और खराब पड़ी लाइटों को जल्द ठीक कराने की व्यवस्था की जानी चाहिए, ताकि बिजली की बर्बादी रोकी जा सके और रात के समय लोगों को पर्याप्त रोशनी मिल सके। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि इस समस्या का जल्द समाधान कराया जाए, ताकि कस्बे के लोगों को अंधेरे और अव्यवस्था से निजात मिल सके।

सम्पादकीय

फर्जी की मर्जी पर अंकुश नियमन की जटिलताएं

डीपफेक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से झूठ को सच बनाने की बढ़ती प्रवृत्ति पर केंद्र सरकार ने शिकंजा कसने की तैयारी कर ली है। इस तरह के भ्रमित करने वाली सामग्री प्रसारित करने वाले सोशल मीडिया को नियंत्रित करने वाले नियमों को सख्त बनाया जा रहा है। जिससे डिजिटल कंपनियों और प्लेटफॉर्मों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है, खासकर डीपफेक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई से निर्मित सामग्री के संबंध में। दरअसल, ये नवीनतम बदलाव उन शिकायतों के बाद किए गए हैं जिसमें एआई बॉट द्वारा पथभ्रष्ट करने वाली उत्तेजक छवियों के निर्माण करने के आरोप लगे हैं। जिसके खिलाफ दुनिया के कई देशों ने भी सख्त कदम उठाए हैं। उल्लेखनीय है कि आईटी के नये नियम बीस फरवरी से लागू होंगे। इसके बाद एआई के जरिये निर्मित सामग्री पर इस बात का लेबल लगाना जरूरी होगा कि उसे कृत्रिम रूप से गढ़ा गया है। साथ ही प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को उपयोगकर्ताओं को भरोसा दिलाना होगा कि साझा की जा रही सामग्री एआई द्वारा निर्मित है या नहीं। ऐसे वक्त में जब लोगों की संवेदनाओं और भरोसे से खिलवाड़ का खेल द्रुत गति से जारी है, केंद्र सरकार की ओर से उठाया गया यह जरूरी कदम कहा जा सकता है। सरकार ने नये प्रावधानों में निर्देश दिया है कि किसी भी अवैध या भ्रामक एआई जनित सामग्री को तीन घंटे के भीतर हटाना होगा या फिर ब्लॉक करना होगा। उल्लेखनीय है कि इससे पहले यह हटाने की समय सीमा 36 घंटे थी। हालांकि, इस तरह सख्त नियमों के जरिये सोशल मीडिया का नियमन खासा जटिल कार्य है। इस आदेश की जटिल कार्यप्रणाली के अतिरिक्त,यह सवाल भी विवाद का विषय बना हुआ कि ऑनलाइन आपत्तिजनक सामग्री किसे माना जाए। साथ ही यह भी कि क्या स्वीकार्य है? यदि हां तो किस आधार पर वहीं दूसरी ओर इसके बहाने सरकारों द्वारा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने की चिंताएं भी बरकरार हैं। सही मायनों में, लोकतंत्र की अपरिहार्य शर्त स्वतंत्र अभिव्यक्ति से जुड़ी इन चिंताओं का निराकरण भी जरूरी है।निस्संदेह दुनिया में जैसे-जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता डिजिटल क्षेत्र में अपना दायरा बढ़ाती जा रही है, वैसे-वैसे ही प्रभावी नियामक नियंत्रण स्थापित करना एक कठिन चुनौती बनता जा रहा है।

वहीं दूसरी ओर एआई उद्योग के लिये भी, अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार में अपनी तकनीकों के विस्तार के साथ-साथ नैतिक ढांचों को बनाये रखना एक चुनौतीपूर्ण कार्य बनता जा रहा है। उल्लेखनीय है कि एक प्रमुख कंपनी के सुरक्षा शोधकर्ता का विवादास्पद परियोजनाओं की अनियंत्रित गति से असहमति जताते हुए त्यागपत्र देना तकनीकी प्रगति की छलांग लगाती गति के दुष्परिणामों को ही उजागर करता है। निर्विवाद रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता जनित स्पर्धा के दौर में नैतिक दुविधा स्पष्ट है।

साथ ही इसका कोई कारगर समाधान शीघ्र नजर भी नहीं आता। इस संकट से विकासशील देश ही नहीं, विकसित देश भी गहरे तक जूझ रहे हैं। आस्ट्रेलिया व फ्रांस आदि देशों में बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने की न्यूनतम उम्र निर्धारित की गई है।

उल्लेखनीय है कि अमेरिका में इंस्टाग्राम और यूट्यूब के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों की जांच के लिये एक ऐतिहासिक मुकदमा शुरू हो गया है। सोशल मीडिया कारोबार में दोनों हाथों से मुनाफा बटोरने वाली कंपनियों के देश अमेरिका में दुनिया की सबसे बड़ी सोशल मीडिया कंपनियों पर लोगों को लत लगाने वाली मशीनें बनाने के आरोप लग रहे हैं।

एक रोशन पंजाब के लिए आगे की राह

पुष्परंजन

एक बड़ी रैली करके भाजपा ने पंजाब में चुनावी बिगुल फूंकते हुए अपनी दावेदारी जाहिर कर दी। अब फैसला पंजाब के मतदाता को लेना है। वहीं यदि आम आदमी पार्टी पंजाब में दोबारा जीत हासिल करना चाहती है, तो उसे महज़ दिखावा करने से कहीं ज्यादा कर दिखाना होगा। यूं भी यह सरहदी सूबा इसलिए खास है कि दिखावेबाजी में रुचि नहीं।गत सप्ताह की शुरुआत में, मोदी सरकार की विदेश नीति की असफलताओं की गूंज पंजाब विधानसभा में सुनाई दी। यहां भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया। निश्चित रूप से ऐसा पहली बार हुआ।

यकीकन, प्रस्ताव पारित करने की बात तो छोड़ें, विदेश नीति पर उपदेश देना विधानसभाओं का काम नहीं। लेकिन इन दिनों राजनीति में इतनी कड़ुवाहट है कि ख्यात आर्किटेक्ट ली कॉर्बूजिए द्वारा डिजाइन की गयी पंजाब विधानसभा की शानदार इमारत भी सड़कछाप शोरगुल से बच नहीं पाई। पंजाब में शनिवार को गृहमंत्री अमित शाह ने एक बड़ी रैली की। भाजपा ने इस बेहद महत्वपूर्ण सीमावर्ती राज्य में चुनावी बिगुल फूंकते हुए अपनी दावेदारी का मंसूबा जाहिर कर दिया। एक साल से भी कम समय में यहां नई सरकार बनेगी। ऐसे में भाजपा खुद से -और पंजाब से- सवाल कर रही है कि वह उस काम को क्यों नहीं कर सकती जो अब तक सोच से परे था यानि पंजाब को 'केसरिया' रंग में रंग देना। केसरिया रंग यानी बलिदान का रंग- एक जाना-पहचाना और प्रिय, खासकर सिखों के लिए। अब तक पार्टी की हालत 6-7 विधायकों तक सीमित रही है। भले ही अमित शाह लेनिन के उस कथन से प्रेरणा लेने की कोशिश करें -'मुझे सत्ता सेंट पीटर्सबर्ग की सड़कों पर पड़ी मिली, उसे उठा लिया' और यूं क्रांति लाने में कामयाब हुए- लेकिन भाजपा, कम से कम फिलहाल, पा रही है कि 'पांच नदियों की धरती' (अब तीन) के लोग कुछ अलग किस्म के हैं।निस्संदेह, पंजाब तमाम चुनौतियों से रूबरू है। नशे के भंवर से निकलने का कोई रास्ता नज़र नहीं आता। इस बारे मेरी सहयोगी अपर्णा बनर्जी की दोआबा क्षेत्र के मैहतपुर में सत्ताधारी आम आदमी पार्टी ने सभी वित्तीय सावधानियां ताक पर रख एक ऐसा बजट पेश किया, जिसमें हरेक को कुछ न कुछ देने का वादा किया गया है- इसमें महिलाओं के लिए हर माह 1000 रु. प्रति माह (राज्य की 3 करोड़ जनसंख्या की एक-तिहाई अनुसूचित जाति की महिलाओं को 1500 रु.) देने की बात कही है। इसे बतौर 'ब्रह्मास्त्र' देखा जा रहा है। मगर इतना धन कहां से आयेगा। पंजाब पर पहले ही 4.17 लाख करोड़ रु. कर्ज है व ब्याज अदायगी में ही 1.16 लाख करोड़ खप जाते हैं, वहीं इस राज्य का जीडीपी दूसरे सबसे निचले स्थान पर है।बड़ी सफाई से, सिर्फ़ महिलाओं पर केंद्रित यह दांव सीधे प्रधानमंत्री मोदी के तरकश से लिया गया आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने यह दांव अच्छी तरह सीख लिया। समस्या यह कि पंजाब की आर्थिक हालत खराब है। गत सप्ताह के आखिर में मोहाली में हुआ 'निवेश शिखर सम्मेलन' शायद देर से आयोजित किया, बेशक इसका मकसद अच्छे वादे हैं। बदकिस्मती से, आप ने देश-विदेश में खुद को नये सिरे से खड़ा करने की काबिलियत रखने वाले पंजाबी उद्यमियों के अनुभव का फायदा नहीं उठाया- याद रहे, नवर्निर्माण करने में कनाडा की 2 करोड़ आबादी पंजाब का 24वां जिला बन सकता है। अफ़सोस कि मौजूदा मिशन पिछले वाले की परछाई भर है; क्योंकि भगवंत मान की नौकरशाही नए सिरे से सब कुछ करने में इतनी उलझी रही कि उसे अतीत केअच्छे विचारों पर सोचने का समय नहीं बचा।और यहां भगवंत मान हैं। कुछ दिन पहले लुधियाना में दिए गए एक भाषण में महिलाओं पर की गई अपनी सतही टिप्पणियों के लिए मुख्यमंत्री की कड़ी आलोचना हुई; भले यह कहा जाए कि वे तो अपनी युवावस्था की शरारतों को याद कर रहे थे, लेकिन कम भद्दे शब्द भी प्रयोग किए जा सकते थे (जहां तक कांग्रेसी सुखपाल खैहरा द्वारा 1000 रुपये महिला भत्ते को 'नाचने वाली औरतों' से जोड़ने की बात है, पार्टी को तुरंत उन्हें कालापानी भेज देना चाहिए,।

तमिलनाडु की राजनीति में शशिकला का जबरदस्त प्रदर्शन

नई पार्टी का गठन

क्षमा शर्मा

शशिकला लंबे समय तक अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कझगम यानी एआईएडीएमके की महत्वपूर्ण नेता रही हैं और जयललिता की सबसे भरोसेमंद हयोगी मानी जाती थीं। लेकिन बाद में पार्टी नेतृत्व के साथ मतभेद के कारण उन्हें संगठन से निकाल दिया गया।तमिलनाडु की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। दिवंगत जे. जयललिता की करीबी सहयोगी रहीं वीके शशिकला ने नई राजनीतिक पार्टी की घोषणा कर राज्य की चुनावी राजनीति को नया मोड़ दे दिया है। उन्होंने अपनी पार्टी का नाम आल इंडिया पुराची थलैवर मक्कल मुनेत्र कझगम घोषित किया है और उसका चुनाव चिह्न नारियल के पेड़ों का खेत बताया है। आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले यह कदम राज्य की राजनीति में नए समीकरण बना सकता है।

शशिकला लंबे समय तक अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कझगम यानी एआईएडीएमके की महत्वपूर्ण नेता रही हैं और जयललिता की सबसे भरोसेमंद सहयोगी मानी जाती थीं। लेकिन बाद में पार्टी नेतृत्व के साथ मतभेद के कारण उन्हें संगठन से निकाल दिया गया। अब नई पार्टी बनाकर उन्होंने एक बार फिर सक्रिय राजनीति में अपनी मजबूत वापसी का संकेत दिया है।शशिकला ने आज संवाददाता सम्मेलन में स्पष्ट किया कि उनकी नई पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में भाग लेगी। सूत्रों के अनुसार शशिकला की पार्टी लगभग चालीस विधानसभा क्षेत्रों में उम्मीदवार उतारने की तैयारी कर रही हैं। विशेष रूप से दक्षिणी जिलों के थेवर बहुल क्षेत्रों में उनकी रणनीति केंद्रित बताई जा रही है। इन क्षेत्रों में शशिकला की सामाजिक और राजनीतिक पकड़ मानी जाती है।राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि यदि शशिकला इन क्षेत्रों में प्रभावी प्रदर्शन करती हैं तो इसका सीधा असर

एआईएडीएमके के वोट बैंक पर पड़ सकता है। इससे चुनावी मुकाबला और अधिक त्रिकोणीय या बहुकोणीय हो सकता है।इसी बीच, शशिकला ने पीएमके के संस्थापक एस रामदास से उनके थैलापुरम स्थित फार्महाउस में मुलाकात भी की। दोनों नेताओं के बीच लगभग एक घंटे तक बातचीत हुई। सूत्रों के अनुसार इस बैठक में विधानसभा चुनाव के लिए संभावित गठबंधन पर चर्चा हुई। बताया जा रहा है कि रामदास की स्थिति भी फिलहाल असमंजस में है। द्रविड़ मुनेत्र कझगम यानी डीएमके ने उनके लिए अपने गठबंधन के दरवाजे लगभग बंद कर दिए हैं। दूसरी ओर एआईएडीएमके उन्हें सीमित सीटें देने की बात कर रही है, लेकिन उनके बेटे अंबुमणि रामदास कम सीटों पर तैयार नहीं हैं। ऐसे में शशिकला के साथ संभावित गठबंधन रामदास के लिए नया राजनीतिक विकल्प बन सकता है। यदि यह गठबंधन आकार लेता है तो उत्तर और दक्षिण तमिलनाडु में एक नया राजनीतिक समीकरण उभर सकता है, जो प्रमुख दलों के लिए चुनौती बन सकता है।नई पार्टी की घोषणा करते समय शशिकला ने जयललिता की जयंती के अवसर पर भावनात्मक और राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण भाषण भी दिया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2016 में जयललिता के निधन के बाद कई मंत्रियों और विधायकों ने उनसे मुख्यमंत्री बनने का अनुरोध किया था। शशिकला ने कहा कि उस समय उन्होंने सत्ता संभालने से इंकार कर दिया था और कहा था कि पहले जयललिता की परंपराओं के अनुसार अंतिम संस्कार और अन्य रस्में पूरी की जाएं।

उन्होंने यह भी कहा कि उस समय उन्होंने ओ. पन्नीरसेल्वम के मुख्यमंत्री बने रहने का समर्थन किया था और मंत्रियों को पद की शपथ लेने के लिए प्रोत्साहित किया था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जयललिता की मृत्यु के बाद उनके खिलाफ तरह तरह के आरोप लगाए गए और यहां तक कहा गया कि उन्होंने ही जयललिता को नुकसान पहुंचाया। शशिकला ने इन आरोपों को अपने राजनीतिक विरोधियों की साजिश बताया।हम आपको बता दें कि शशिकला ने अपनी नई पार्टी का झंडा भी जारी किया है। झंडे में लाल सफेद और काले रंग की पट्टियां हैं तथा उस पर द्रविड़ आंदोलन के प्रमुख नेताओं सीएन अन्नादुरै, एमजी रामचंद्रन और जयललिता की तस्वीरें दिखाई गई हैं। शशिकला ने कहा है कि उनकी पार्टी द्रविड़ विचारधारा पर आधारित होगी और अन्ना, एमजीआर तथा जयललिता की राजनीतिक परंपरा को आगे बढ़ाएगी।

चौबेपुर में एक ही रात में दो वारदात, घर से लाखों की चोरी

पशुपालक को कमरे में बंद कर दी गोली मारने की धमकी, गांव में दहशत

चोरी के बाद घर में बिखरा समान

स्वराज इंडिया न्यूज

चौबेपुर (कानपुर)। चौबेपुर थाना क्षेत्र के रैतापुर गांव में रविवार रात बदमाशों ने दो स्थानों पर वारदात को अंजाम देकर ग्रामीणों में दहशत फैला दी। एक ओर जहां चोरों ने घर का ताला तोड़कर नगदी और जेवरात पार कर दिए, वहीं दूसरी ओर पशुपालक को कमरे में बंद कर उसकी भैंस खोलकर ले गए।

रैतापुर गांव निवासी बलराम वर्मा ने बताया कि रविवार रात वह परिवार के साथ खाना खाने के बाद छत पर सोने चले गए थे। देर रात अज्ञात चोर पड़ोसी की दीवार फांदकर उनके घर में घुस आए और कमरे का ताला तोड़ दिया। इसके बाद अलमारी खंगालकर करीब 50 हजार रुपये की नकदी और लगभग डेढ़ लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गए। सुबह नीचे आने पर घर के अंदर सामान बिखरा देख घटना की जानकारी हुई। इसी गांव के दूसरे छोर पर रहने वाले श्रीकृष्ण बाजपेई ने बताया कि वह रात में दरवाजे पर सो रहे थे। देर रात बदमाशों ने धावा बोलकर उन्हें बाहर बने कमरे में बंद कर दिया और शोर मचाने पर गोली मारने की धमकी दी। इसके बाद दरवाजे पर बंधी करीब डेढ़ लाख रुपये कीमत की भैंस खोलकर ले गए। करीब दो घंटे बाद जब उन्हें लगा कि बदमाश जा चुके हैं तो उन्होंने शोर मचाया। परिजनों ने दरवाजा खोलकर उन्हें बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी।

एक ही रात में दो वारदातों से गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का आरोप है कि पिछले छह महीनों में इलाके में कई चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन रात में पुलिस गश्त नहीं होने से बदमाशों के हौसले बढ़े हुए हैं। थानाध्यक्ष ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। जल्द ही आरोपियों को पकड़कर घटना का खुलासा किया जाएगा।

छह महीने में दर्जनभर चोरियां, पुलिस गश्त पर सवाल

ग्रामीणों का कहना है कि रैतापुर बंबा चौराहा और आसपास के गांवों में पिछले छह महीनों के दौरान करीब एक दर्जन चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं। इसके बावजूद रात में पुलिस गश्त न होने से बदमाश बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। लगातार हो रही घटनाओं से ग्रामीणों में रोष है और उन्होंने पुलिस से सख्त कार्रवाई व गश्त बढ़ाने की मांग की है।

शटर तोड़कर बर्तन की दुकान में चोरी, 25 हजार की नकदी पार

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। अरौल कस्बे में शनिवार रात चोर बर्तन की दुकान का शटर तोड़कर अंदर घुस गए और दुकान में रखी करीब 25 हजार रुपये की नकदी लेकर फरार हो गए। रविवार सुबह जब दुकानदार दुकान खोलने पहुंचे तो घटना की जानकारी हुई, जिसके बाद इलाके में हलचल मच गई।

- देर रात शटर का ताला तोड़कर चोरों ने दुकान को बनाया निशाना
- सुबह दुकान खोलने पहुंचे दुकानदार को हुई घटना की जानकारी

जानकारी के अनुसार अरौल थाना क्षेत्र के सरैया दस्तम गांव निवासी हरिकिशन कुशवाह की अरौल कस्बे के आंकिन रोड पर बर्तन की दुकान है। शनिवार शाम वह रोज की तरह दुकान बंद कर घर चले गए थे। रविवार सुबह जब वह दुकान खोलने पहुंचे तो शटर का ताला टूटा मिला और अंदर सामान बिखरा पड़ा था। घटना की जानकारी मिलने पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर आसपास के लोगों से पूछताछ की। पुलिस क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है।

अरौल इंस्पेक्टर जनार्दन यादव ने बताया कि बर्तन की दुकान से करीब 25 हजार रुपये की नकदी चोरी हुई है। कुछ लोग भ्रामक सूचना फैला रहे हैं कि ज्वेलरी की दुकान में चोरी हुई है, जबकि आठ साल पहले यहां ज्वेलरी की दुकान थी। बाद में दुकानदार ने इसे बर्तन की दुकान में बदल दिया। उन्होंने बताया कि घटना की कई बिंदुओं पर जांच की जा रही है और कुछ सीसीटीवी फुटेज भी मिले हैं। प्रथम दृष्टया यह पेशेवर चोरों का काम नहीं लग रहा है। जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

चोरी की सूचना पर जाँच करने पहुंची पुलिस

प्रार्थना पत्र में जेवर चोरी होने की भी बात

दुकानदार ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में नकदी के साथ यह भी बताया है कि चोर दुकान से करीब 850 ग्राम चांदी के आभूषण, दो हाफ पेटी, एक जोड़ी पायल, बिछुआ और करीब दो ग्राम सोने की नथ व कील उठा ले गए। उधर अरौल पुलिस की ओर से एक वीडियो भी जारी किया गया है, जिसमें जांच के दौरान दुकानदार के बेटे ने फोन पर अपने पिता से बात कराई और चोरी हुए सामान के बारे में जानकारी ली। वीडियो में 25 हजार रुपये चोरी होने की बात सामने आती है। इसके बाद जब अन्य सामान के बारे में पूछा जाता है तो फोन पर बात कर रहे दुकानदार ने बेटे से कहा कि अपने हिसाब से बता दो। हालांकि इस वीडियो की स्वराज इंडिया स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं करता है।

रिंग रोड के दोनों ओर सर्विस लेन बनाने की मांग

मिश्रिख लोकसभा क्षेत्र के सांसद अशोक रावत ने नितिन गडकरी से की मुलाकात

स्वराज इंडिया ब्यूरो

चौबेपुर/बिल्हौर (कानपुर)। क्षेत्र में बढ़ते यातायात और ग्रामीणों की परेशानी को देखते हुए मिश्रिख लोकसभा क्षेत्र के सांसद अशोक रावत ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर जीटी रोड पर तातियागंज गांव के सामने रिंग रोड के दोनों ओर सर्विस लेन बनवाने की मांग उठाई है।

रविवार को दिल्ली में हुई मुलाकात के दौरान सांसद ने मंत्री को मांगपत्र सौंपते हुए बताया कि रिंग रोड और जीटी रोड के निर्माण के बाद आसपास के गांवों के लोगों को सड़क पार करने और स्थानीय आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में दोनों ओर सर्विस लेन बन जाने से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिल सकेगी।

गांव के दबंगों ने होली खेलने गए युवक पर किया हमला, सिर फोड़ा

स्वराज इंडिया ब्यूरो

चौबेपुर/बिल्हौर(कानपुर)। होली खेलने के दौरान हुए विवाद में गांव के दबंगों ने एक युवक को बुरी तरह पीट दिया। मारपीट में युवक का सिर फट गया और वह लहूलुहान हो गया। परिजनों ने उसे पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौबेपुर पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखते हुए उर्सला अस्पताल रेफर कर दिया। घटना तीन मार्च की बताई जा रही है। पीड़ित के स्वस्थ होने के बाद रविवार को पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया।

बिकरू गांव निवासी सुभाष ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह तीन मार्च को अपने साढ़ू सर्वेश और राकेश के बुलावे पर बड़ी मनोह गांव होली खेलने गया था। आरोप है कि इसी दौरान गांव के सोनू, भोला और सुनील वहां पहुंचे और उससे गाली गलौज करने लगे। सुभाष ने जब इसका विरोध किया तो तीनों ने मिलकर उस पर हमला कर दिया और लाठी-डंडों से बेरहमी से पिटाई कर दी। हमले में सुभाष का सिर फट गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह बीच-बचाव कर उसे हमलावरों से छुड़ाया। परिजन घायल सुभाष को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौबेपुर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार करने के बाद उसकी गंभीर हालत देखते हुए उर्सला अस्पताल रेफर कर दिया। वहां उसका इलाज चल रहा है। घायल के स्वस्थ होने के बाद रविवार को उसने चौबेपुर थाने में तहरीर दी। पुलिस ने सोनू, भोला और सुनील के खिलाफ मारपीट समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। आरोपियों की तलाश में पुलिस टीम संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

खेत में युवक का मिला शव, चार हुए गिरफ्तार

मृतक के भाई ने अपहरण कर हत्या करने का मुकदमा दर्ज कराया

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

मैनपरी। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले के किशनी थाना क्षेत्र में 25 फरवरी की सुबह बेवर-इटावा मार्ग पर पॉलीटेक्निक कॉलेज के पास गेहूं के खेत में एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। बाद में पहचान सुल्तानपुर निवासी 35 वर्षीय कमलेश यादव के रूप में हुई। शव मिलने के बाद परिजनों ने हंगामा किया और हत्या का आरोप लगाया। मृतक के भाई अवधेश यादव उर्फ बंटू ने अज्ञात लोगों के खिलाफ अपहरण कर हत्या करने का मुकदमा दर्ज कराया। मामला गंभीर था, इसलिए पुलिस अधीक्षक ने जांच के लिए सर्विलांस सेल और किशनी थाना पुलिस की टीम लगा दी।

जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ी, शक की सुई सीधे मृतक की पत्नी सुनीती उर्फ संगीता पर जाकर टिक गई। पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ कि सुनीती का इटावा के ऊसराहार थाना क्षेत्र के चंदरपुर निवासी झोलाछाप डॉक्टर सिथलेश उर्फ सुतलेश से अवैध संबंध था। दोनों लंबे समय से संपर्क में थे और कमलेश उनके रिश्ते में सबसे बड़ी बाधा बन गया था। इसके बाद दोनों ने मिलकर कमलेश को रास्ते से हटाने की साजिश रची।योजना के तहत प्रेमी सिथलेश ने अपने दो साथियों दीपक कश्यप और भूरे उर्फ विशनू को भी इस साजिश में शामिल कर लिया। तय हुआ कि पहले कमलेश का अपहरण किया जाएगा और फिर उसकी हत्या कर दी जाएगी।

पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने कासगंज से कमलेश को बहाने से बुलाकर अगवा किया। इसके बाद चारों उसे लेकर अलग स्थान पर पहुंचे, जहां उसका गला घोंटकर हत्या कर दी गई। हत्या के बाद आरोपियों ने शव को छिपाने के लिए उसे किशनी थाना क्षेत्र के पॉलीटेक्निक कॉलेज के पास गेहूं के खेत में फेंक दिया, ताकि मामला अज्ञात हत्या लगे, लेकिन सर्विलांस और कॉल डिटेल की जांच में पूरा राज खुल गया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पत्नी सुनीती उर्फ संगीता, उसके प्रेमी सिथलेश और दोनों सहयोगियों दीपक कश्यप व भूरे उर्फ विशनू को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में सभी ने हत्याकांड की साजिश और वारदात को कबूल कर लिया। एसपी सिटी अरुण कुमार ने बताया कि चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

स्मार्ट मीटर गड़बड़ी पर उपभोक्ताओं को मिलेगा अब मुआवजा

» रीचार्ज के बाद भी बिजली न जुड़ने पर प्रतिदिन 50 रुपये देने की मांग

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में स्मार्ट मीटरिंग व्यवस्था लागू होते ही बड़ी संख्या में प्रीपेड बिजली उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ गई है। लाखों उपभोक्ताओं के कनेक्शन नेगेटिव बैलेंस के कारण स्वतः कट गए हैं और कई मामलों में रीचार्ज कराने के बाद भी बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हो पा रही है। इससे परेशान लोग बिजली विभाग के दफ्तरों के चक्कर काटने को मजबूर हैं।इस मुद्दे को लेकर राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने प्रभावित उपभोक्ताओं को मुआवजा देने की मांग उठाई है।

परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा का कहना है कि नियमों के अनुसार यदि रीचार्ज के दो घंटे के भीतर कनेक्शन बहाल नहीं होता है तो उपभोक्ता को 50 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से मुआवजा मिलना चाहिए।आंकड़ों के अनुसार पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम, मध्यांचल विद्युत वितरण निगम, दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम, पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम और केस्को क्षेत्रों में 14 मार्च की शाम 5:30 बजे तक 1,13,862 स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के कनेक्शन नेगेटिव बैलेंस के कारण कट गए थे। इनमें से 16,263 मामलों में रीचार्ज के बाद कनेक्शन जोड़ने की प्रक्रिया शुरू हुई, लेकिन 2,909 उपभोक्ताओं की बिजली आपूर्ति अब तक बहाल नहीं हो सकी है।उपभोक्ता परिषद ने इन मामलों की जांच कराने की मांग की है। परिषद का कहना है कि बकायेदार उपभोक्ताओं को एक बार 40 प्रतिशत भुगतान करने के बाद शेष रकम तीन किस्तों में चुकाने का विकल्प दिया जाता है, लेकिन यह सुविधा स्मार्ट प्रीपेड मीटर उपभोक्ताओं को नहीं मिल रही है। इस संबंध में मामला जल्द ही नियामक आयोग के समक्ष उठाया जाएगा।

प्रदेश में फिलहाल 50 लाख से अधिक स्मार्ट प्रीपेड मीटर खातों का बैलेंस नेगेटिव बताया जा रहा है। उधर उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन ने आदेश जारी कर कहा है कि नेगेटिव बैलेंस वाले उपभोक्ता यदि बकाया का 50 प्रतिशत जमा करते हैं तो उनका कनेक्शन केवल तीन दिनों के लिए जोड़ा जाएगा। इस अवधि में पूरा रीचार्ज नहीं होने पर बिजली आपूर्ति फिर से काट दी जाएगी।गौरतलब है कि केंद्र सरकार की रिवैंप डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम के तहत प्रदेश में पुराने पोस्टपेड मीटरों को स्मार्ट मीटर से बदला जा रहा है। 13 मार्च से स्मार्ट मीटरिंग व्यवस्था पूरी तरह लागू होने के बाद नेगेटिव बैलेंस वाले उपभोक्ताओं के कनेक्शन स्वतः कटने लगे हैं, जिससे बड़ी संख्या में लोग प्रभावित हो रहे हैं।

बूंदा बांदी से तरबूज़ की फसल को नुकसान होने की आशंका

» मौसम के इस बदले मिजाज ने किसानों को रोने पर मजबूर किया

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

फर्रुखाबाद द्य अमृतपुर तहसील क्षेत्र में एकाएक बदले मौसम ने किसानों की चिंता काफी बढ़ा दी है। एक तरफ औंधे मुंह गिरे आलू के भाव से किसान की कमर टूट चुकी है। आलू की खुदाई तक के दाम सीधे हो पाना मुश्किल है। वहीं दूसरी ओर तेज हवा के साथ हुई बारिश ने किसानों की कमर तोड़ दी है। मौसम के इस बदले मिजाज

ने किसानों को रोने पर मजबूर कर दिया है।क्षेत्रीय किसान जगपाल का कहना कि आलू की एशिया की सबसे बड़ी मंडी सातनपुर, फर्रुखाबाद मे आलू मिट्टी के मोल बिक रहा है, जिससे किसानों को आलू की लागत निकल पाना नामुमकिन लग रहा है। वहीं बेमौसम हुई बूंदाबांदी ने गेहूं की फसल को लेकर चिंता और बढ़ा दी है। किसान जीतू , राघवेंद्र का कहना है इस समय आलू,सरसों, गेहूं की फसलें खेतों मे तैयार खड़ी हैं परंतु इस बेमौसम बरसात से फसलों का नुकसान होना तय है। हवा के साथ हुई बूंदाबांदी मे गेहूं की फसल खेतों मे पसर गई है। जिससे पैदावार पर असर पड़ना तय है। यदि कहीं बिगड़े मौसम के साथ बारिश तेज हो गई तो खेतों में पड़ा आलू और अन्य फसलें खराब हो सकती हैं, जिससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। हवा के साथ हो रही बूंदाबांदी चलते किसानों को गेहूं की खड़ी फसल भी गिरने का डर सता रहा है जिसका फसल के उत्पादन पर सीधा असर पड़ेगा। इस बिगड़े मौसम के मिजाज से पलेज (तरबूज , खीरा,ककड़ी) की खेती करने वाले किसान करू, जलालुद्दी, मुकेश आदि लोगों ने बताया कि जब बादल गरजते हैं तो उनके दिलों की धड़कनें तेज हो जाती हैं। कहीं ऐसा ना हो गरजते बादलों के साथ हो रही बारिश मे ओलावृष्टि न हो जाए जिससे पलेज में खड़ी फसल पूरी तरह चौपट हो जाएगी। किसान चंद्रपाल ने बताया 10 हजार रुपए किलो तक का अच्छी किस्म का बीज खरीद कर तरबूज की फसल तैयार की है जिससे पैदावार अच्छी हो परन्तु इस बेमौसम बरसात ने धुकधुकी बढ़ा दी है।

प्रबंधकों व प्रधानाचार्यों की बैठक में एआई शिक्षा पर जोर

बदलते युग मे तकनीक आधारित शिक्षा रहेगी तेज-अंकित यादव

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

रसूलाबाद कानपुर देहात। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की शिक्षा में भूमिका शिक्षा में महत्वपूर्ण होगी। इसको लेकर क्षेत्र के कई विद्यालयों के प्रबंधकों व शिक्षकों ने बैठक कर इस पर चर्चा की। बेहतर शिक्षा देने के लिए किए जाने वाले प्रयासों पर भी बातचीत हुई।

रसूलाबाद, झींझक और आसपास के क्षेत्रों के प्रमुख स्कूलों के प्रबंधकों और प्रधानाचार्यों की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में शिक्षा के विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। खासतौर पर उस विषय पर अधिक मंथन हुआ जिस पर आमतौर पर कम चर्चा होती है। कार्यक्रम का आयोजन आरपीएस स्कूल के सहयोग से प्रीति यादव और हर्ष गुप्ता एवं संचालन और पैनल डिस्कशन जेडी पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर अंकित यादव ने किया।बैठक में विनीत कुमार गुप्ता प्रबंधक, जीतू त्रिपाठी,दुर्गेश कुमार त्रिपाठी आरपीएस रसूलाबाद,क्षमा धवन प्रिंसिपल एसवीएन झींझक,रौनक भदौरिया जेडीपी नैला कटरा, धर्मेंद्र सिंह केपीएस कानपुर, आरती चौहान वेदांत इंटरनेशनल,सहित कई स्कूलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और शिक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार रखे।

कार्यक्रम में आरपीएस कॉलेज के डायरेक्टर संत कुमार गुप्ता, शांति विद्या निकेतन के डायरेक्टर देवेंद्र शर्मा और नीरिजा शर्मा, वेदांत इंटरनेशनल के डायरेक्टर अरुणेश यादव, कृष्णा पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर गौरव यादव और जेडी पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर अंकित यादव समेत कई शिक्षाविद मौजूद रहे।चर्चा का मुख्य विषय शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका और भविष्य में स्कूलों में पढ़ाई के बदलते तरीके रहे। वक्ताओं ने कहा कि आने वाला समय डिजिटल तकनीक और एआई का है, लेकिन इसके बावजूद किताबों का महत्व कम नहीं होगा और पारंपरिक अध्ययन पद्धति भी उतनी ही जरूरी रहेगी।

स्कूली छात्रों के लिए खतरा बनी मुगल रोड, गड्ढों से रोज हो रहे हादसे

पीडब्ल्यूडी के खिलाफ स्थानीय लोगों में आक्रोश, शिकायत के बाद भी नहीं हुई ठोस कार्रवाई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। राजपुर कस्बे की मुगल रोड इन दिनों जिला प्रशासन और लोक निर्माण विभाग की लापरवाही का शिकार बनी हुई है। सड़क पर बने बड़े-बड़े गड्ढों के कारण आए दिन राहगीर, बाइक सवार और स्कूली छात्र-छात्राएं चोटिल हो रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद जिम्मेदार विभाग अब तक ठोस कदम नहीं उठा पाया है। इससे स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है।

मुगल रोड राजपुर कस्बे की प्रमुख सड़कों में से एक है, जहां से रोजाना सैकड़ों लोग आवागमन करते हैं। इसी मार्ग से बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं भी स्कूल आते-जाते हैं। लेकिन सड़क की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि जगह-जगह गहरे गड्ढे बन गए हैं। कई बार बाइक और साइकिल सवार इन गड्ढों में फंसकर गिर चुके हैं, जिससे उन्हें गंभीर चोटें भी आई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क की खराब स्थिति की शिकायत कई बार की जा चुकी है, लेकिन प्रशासन की ओर से अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया। बारिश के समय गड्ढों में पानी भर जाने से समस्या और भी गंभीर हो जाती है, जिससे हादसों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

राजपुर के समाजसेवी अरशद मंसूरी ने बताया कि मुगल रोड पर एक दर्जन से अधिक बड़े गड्ढे बन चुके हैं, जो लोगों के लिए खतरा बने हुए हैं। खासकर स्कूली छात्र-छात्राओं को सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ रही है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही सड़क को गड्ढा मुक्त नहीं किया गया तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। रविवार को अफजाल मंसूरी, रामू कटियार, दीपक मिश्रा और इदरीश समेत कई स्थानीय निवासियों ने लोक निर्माण विभाग के खिलाफ शिकायत दर्ज कराते हुए सड़क की तत्काल मरम्मत की मांग की।

लोगों ने कहा कि यदि जल्द ही समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे।

इस मामले में पीडब्ल्यूडी के एसडीओ आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद संबंधित प्रांतीय खंड के अवर अभियंता को सड़क का निरीक्षण कर जल्द गड्ढों की मरम्मत कराने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही सड़क को दुरुस्त कर लोगों को राहत दिलाई जाएगी। हालांकि स्थानीय लोगों का कहना है कि जब तक सड़क की पूरी तरह मरम्मत नहीं होती, तब तक हादसों का खतरा बना रहेगा और प्रशासन की लापरवाही पर सवाल उठते रहेंगे।

कड़ी सुरक्षा के बीच संपन्न हुई पुलिस सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा !

» डीएम कपिल सिंह और एसपी श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय ने केंद्रों का किया निरीक्षण, नकलविहीन परीक्षा सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड लखनऊ द्वारा आयोजित पुलिस सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा 14 और 15 मार्च 2026 को जनपद कानपुर देहात में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण और पारदर्शी ढंग से संपन्न हुई। जिले में परीक्षा के लिए कुल 6 केंद्र बनाए गए थे, जहां दो पालियों में परीक्षा आयोजित की गई।

परीक्षा को नकलविहीन और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी कपिल सिंह और पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय लगातार सक्रिय रहे। दोनों अधिकारियों ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों की जांच व्यवस्था तथा सीसीटीवी निगरानी की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों को परीक्षा को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के सख्त निर्देश दिए गए।परीक्षा केंद्रों के मुख्य प्रवेश द्वार पर अभ्यर्थियों की सघन तलाशी ली गई। प्रवेश पत्र और पहचान पत्र की गहन जांच के बाद ही परीक्षार्थियों को केंद्र में प्रवेश दिया गया। इसके अलावा परीक्षा केंद्रों के आसपास बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया गया था।पुलिस की विशेष टीमें परीक्षा केंद्रों के आसपास लगातार गश्त करती रहीं और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी गई। यातायात व्यवस्था को भी सुचारू बनाए रखने के लिए आवश्यक प्रबंध किए गए, जिससे परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय पूरे समय भ्रमणशील रहकर विभिन्न केंद्रों की व्यवस्थाओं की निगरानी करती रहीं और ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देती रहीं।

दो दिवसीय परीक्षा के दौरान जिले के किसी भी केंद्र से किसी प्रकार की गड़बड़ी या अव्यवस्था की सूचना नहीं मिली। प्रशासन की सख्त निगरानी और बेहतर समन्वय के चलते परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में सकुशल संपन्न हो गई, जिस पर प्रशासन ने राहत की सांस ली।

कांशीराम जयंती: कार्यकर्ताओं ने चित्रों पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। राजपुर कस्बे के मातन टोला मोहल्ले में बहुजन समाज के महानायक कांशीराम की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने कांशीराम तथा भीमराव आम्बेडकर के चित्रों पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम के दौरान एक विचार गोष्ठी का आयोजन भी किया गया, जिसमें उपस्थित लोगों ने कांशीराम के जीवन, उनके संघर्ष और बहुजन समाज के उत्थान के लिए किए गए कार्यों पर विस्तार से चर्चा की। कार्यकर्ता अनुज कुमार गौतम ने कहा कि कांशीराम ने अपना पूरा जीवन समाज के शोषित, वंचित और पिछड़े वर्गों को उनके अधिकार दिलाने के लिए समर्पित कर दिया था। उन्होंने बहुजन समाज को संगठित कर उन्हें राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि कांशीराम के विचार और संघर्ष आज भी समाज के लिए प्रेरणादायक हैं। उनका दिया हुआ संदेश ÷शिक्षित बनो, संगठित हो और संघर्ष करो÷ आज भी प्रासंगिक है। अनुज कुमार गौतम ने लोगों से शिक्षा ग्रहण करने, सामाजिक एकता बनाए रखने और समाज के उत्थान के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया।इस मौके पर गौरव, अक्षय कुमार, मनीष, अनुज गौतम, नरेश, अवधेश कुमार, गंगाराम दोहरे, सोनू निषाद और राजदीप सहित कई अन्य लोग उपस्थित रहे।

व्यस्ततम गजनेर चौराहे पर टॉयलेट न होने से लोगों को हो रही दुश्वारियां

» जिले की सबसे बड़ी गल्ला मंडी में बुनियादी सुविधा का टोटा

» महिलाओं व बालिकाओं को उठानी पड़ रही सर्वाधिक परेशानी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात माती। जनपद के अति व्यस्त गजनेर चौराहे पर सार्वजनिक शौचालय का अभाव प्रशासनिक उदासीनता का प्रतीक बन गया है। क्षेत्रीय आवागमन के प्रमुख केंद्र के रूप में पहचान रखने वाले इस चौराहे पर प्रतिदिन हजारों राहगीर, व्यापारी व यात्री पहुंचते हैं, किंतु बुनियादी सुविधा के रूप में शौचालय तक की व्यवस्था न होना व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा कर रहा है।

गजनेर चौराहा क्षेत्रीय परिवहन का प्रमुख संगम स्थल है, जहां से घाटमपुर, नवीपुर, मूसानगर, रायपुर तथा कानपुर शहर के लिए प्रतिदिन सैकड़ों यात्री वाहनों की प्रतीक्षा करते हैं। दूरदराज ग्रामीण अंचलों से आने वाले लोग भी इसी चौराहे पर उतरकर अपने गंतव्य की ओर प्रस्थान करते हैं। इसके बावजूद यहां सार्वजनिक शौचालय जैसी अनिवार्य सुविधा का अभाव यात्रियों के लिए निरंतर असुविधा और परेशानी का कारण बना हुआ है। उल्लेखनीय है कि गजनेर कस्बा जनपद की सबसे बड़ी गल्ला मंडी के रूप में सुविख्यात है, जहां प्रत्येक बुधवार व शनिवार को विशाल बाजार का आयोजन होता है। इन दिनों आसपास के अनेक गांवों से व्यापारी व ग्राहक बड़ी संख्या में क्रय-विक्रय के लिए पहुंचते हैं, जिससे चौराहे पर भीड़ का असाधारण दबाव रहता है। इसके बावजूद शौचालय की व्यवस्था न होना स्थानीय तंत्र की लापरवाही को उजागर करता है।स्थानीय लोगों का कहना है कि शौचालय के अभाव में विशेष रूप से महिलाओं व बालिकाओं को अत्यंत विषम परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। कई बार ग्रामीणों द्वारा इस समस्या को लेकर जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों से मांग भी की जा चुकी है, किंतु अब तक इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हो सकी है। स्थानीय नागरिक योगेंद्र सिंह, नीरज गुप्ता, शिवराज सिंह व बब्लू मिश्रा ने बताया कि चौराहे पर शौचालय निर्माण की मांग लंबे समय से की जा रही है, लेकिन जिम्मेदारों की उदासीनता के चलते समस्या अब भी जस की तस बनी हुई है। इस संबंध में ग्राम प्रधान अनीसा बेगम के पति मो. फिरोज ने बताया कि शौचालय निर्माण के लिए स्थान चिन्हित कर लिया गया है और शीघ्र ही निर्माण कार्य प्रारंभ कराया जाएगा, जिससे राहगीरों व स्थानीय नागरिकों को राहत मिल सकेगी।

गजनेर चौराहा शौचालय बिना अधूरा

होटल संचालक का कहना है कि गजनेर चौराहा पर सार्वजनिक शौचालय की व्यवस्था न होने से खासकर महिलाओं को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है। कई बार विवश होकर उन्हें होटल के अंदर बने शौचालय का उपयोग करवाना पड़ता है। उनका कहना है कि यदि चौराहे पर ही सार्वजनिक शौचालय का निर्माण हो जाए तो महिलाओं को काफी राहत मिल सकती है।

अभिषेक गुप्ता, होटल संचालक

गजनेर चौराहा अत्यंत व्यस्त होने के बावजूद यहां सार्वजनिक शौचालय की कोई व्यवस्था नहीं है, जिससे आम नागरिकों के साथ-साथ विशेषकर महिलाओं को भारी असुविधा और शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता है। इतनी भीड़भाड़ वाले चौराहे पर शौचालय का अभाव प्रशासनिक उदासीनता को दर्शाता है।

योगेंद्र सिंह चौहान

गजनेर चौराहा जैसे अत्यधिक व्यस्त एवं जनसंकुल स्थल पर सार्वजनिक शौचालय का अभाव अत्यंत खेदजनक और प्रशासनिक उदासीनता का प्रतीक है। इस कारण विशेषकर महिलाओं को प्रतिदिन अत्यंत संकोचपूर्ण परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। यदि शीघ्र ही चौराहे पर सार्वजनिक शौचालय का निर्माण सुनिश्चित किया जाए तो समस्या से काफी हद तक निजात मिल सकेगी।

शिवराज सिंह चौहान

होली मिलन समारोह में उड़ा अबीर-गुलाल

उसरी में फूलों की होली से दिया सौहार्द का संदेश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रसूलाबाद, कानपुर देहात। होली मिलन समारोह हमारी गौरवशाली भारतीय संस्कृति और परंपराओं को सहेजने का माध्यम है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोगों के पास समय की कमी होती जा रही है, जिससे हमारी परंपराएं कमजोर पड़ रही हैं। ऐसे आयोजनों से लोग आपसी गिले-शिकवे भुलाकर एक साथ आते हैं और समाज में प्रेम व भाईचारे का संदेश जाता है। यह बात समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष व पूर्व सदस्य विधान परिषद दिलीप सिंह 'कल्लू' यादव ने कही।विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी रसूलाबाद तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत उसरी में भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन सदस्य जिला पंचायत राजकुमार सिंह गौर 'राजू' द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व एमएलसी दिलीप सिंह 'कल्लू' यादव तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में अकबरपुर-रनियां के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी नीरज सिंह गौर और संतोष त्रिपाठी पहुंचे।अतिथियों का स्वागत युवा नेता मयंक सिंह गौर ने अंगवस्त्र और फूलमाला पहनाकर किया। समारोह के दौरान अतिथियों और क्षेत्रीय लोगों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और फूलों की होली खेली। इस अवसर पर पूर्व प्रत्याशी नीरज सिंह गौर ने कहा कि होली मिलन समारोह हमारी परंपरा और संस्कृति का प्रतीक है। ऐसे आयोजन समाज में एकता और सद्भाव को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि उसरी में लगातार हो रहे इस कार्यक्रम की चर्चा दूर-दूर तक है। साथ ही उन्होंने मयंक सिंह गौर के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए क्षेत्रवासियों को होली की बधाई दी। कार्यक्रम के आयोजक सदस्य जिला पंचायत राजकुमार सिंह गौर 'राजू' ने कहा कि उनके बुजुर्गों का इस क्षेत्र से गहरा जुड़ाव रहा है और वे उसी परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रेम और सौहार्द की होली है जो हमेशा चलती रहेगी। राजनीतिक विचारधारा भले अलग-अलग हो, लेकिन क्षेत्र के लोगों को दिल में बसाकर ही आगे बढ़ना उनका उद्देश्य है। कार्यक्रम में दलजीत सिंह, छम्मन, रवि त्रिपाठी, ध्यानू सिंह, पूतू सिंह, बृजेंद्र सिंह, दीपाली यादव सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

मौत बनकर लटक रहे 11 हजार वोल्ट के तार

» भरतौली में बिजली विभाग की लापरवाही से दहशत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। विकास खंड मलासा से जुड़े सिगरसीपुर बिजली घर के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत भरतौली में बिजली विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आई है। गांव के मुख्य रास्ते पर 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन के तार खतरनाक तरीके से नीचे लटक रहे हैं, जिससे ग्रामीणों में हर समय किसी बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों के अनुसार हालत इतनी खराब है कि किसान अपनी ट्रैक्टर-ट्रॉली और अन्य वाहन निकालने के लिए खुद ही इन तारों को हाथ से उठाकर रास्ता पार करते हैं। इस दौरान जरा सी चूक भी किसी बड़ी दुर्घटना को न्योता दे सकती है।बताया गया कि इसी रास्ते से स्कूली बच्चे, स्कूल वैन और छोटे-बड़े वाहन प्रतिदिन गुजरते हैं। ऐसे में सड़क पर झूलते बिजली के तार बच्चों और राहगीरों के लिए जानलेवा साबित हो सकते हैं। गांव के रामलखन, प्रदीप सिंह, रवि कुमार, जीत सिंह, सुरेंद्र सिंह, रामबाबू, राजाराम, मुन्ना बाबू, बलवान, जियालाल निषाद और जूनियर स्कूल भरतौली के हेडमास्टर रामप्रसाद सहित कई ग्रामीणों ने बताया कि इस समस्या को लेकर कई बार बिजली विभाग में शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश और तेज हवा के समय स्थिति और भी भयावह हो जाती है, क्योंकि तार और नीचे झूलने लगते हैं। ऐसे में कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। इस संबंध में जब क्षेत्र के जेई अजय कुमार से बात की तो उन्होंने बताया कि मामला उनके संज्ञान में नहीं था। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही मौके पर टीम भेजकर स्थिति की जांच कराई जाएगी और लटकते तारों की समस्या का शीघ्र समाधान कराया जाएगा। ग्रामीणों ने प्रशासन और बिजली विभाग से मांग की है कि किसी बड़े हादसे से पहले ही इस गंभीर समस्या का स्थायी समाधान कराया जाए, ताकि गांव के लोगों को राहत मिल सके।

प्रयागराज कांड के फरारों पर शिकंजा

शाइस्ता-जैनब होंगी 'मोस्ट वांटेड'

यूएई में राशिद नसीम की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने तेज की तलाश, दुबई में छिपे होने की आशंका

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

प्रयागराज। प्रयागराज में चर्चित उमेश पाल हत्याकांड के फरार आरोपियों की तलाश अब और तेज कर दी गई है। संयुक्त अरब अमीरात में आर्थिक अपराधी राशिद नसीम की गिरफ्तारी के बाद पुलिस को उम्मीद है कि विदेश में छिपे अन्य आरोपियों तक पहुंचने में भी मदद मिल सकती है। इसी कड़ी में अब माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ अहमद की पत्नियों शाइस्ता परवीन और जैनब फातिमा को भी राज्य की 'मोस्ट वांटेड' सूची में शामिल करने की तैयारी की जा रही है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक प्रदेश की मोस्ट वांटेड सूची में पहले से शामिल गुड्डू मुस्लिम, अरमान, नासिर और आफताब आलम के साथ अब दो और नाम जोड़ने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। जांच एजेंसियों को आशंका है कि शाइस्ता परवीन और जैनब फातिमा दुबई में रहकर विदेशों से आने वाले धन के जरिए आईएस-227 गैंग के नेटवर्क को दोबारा सक्रिय करने की कोशिश कर रही हैं।फिलहाल शाइस्ता पर 50 हजार रुपये और जैनब तथा अतीक की बहन आयशा नूरी पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार इनामी राशि बढ़ाकर शाइस्ता पर पांच लाख रुपये तथा जैनब और आयशा पर दो-दो लाख रुपये करने का प्रस्ताव भी तैयार किया जा रहा है।गौरतलब है कि उमेश पाल और दो पुलिसकर्मियों की दिनदहाड़े हत्या को तीन वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन मामले के कई मुख्य आरोपी अब भी फरार हैं।पुलिस को संदेह है कि बमबाज गुड्डू मुस्लिम दिसंबर 2024 में फर्जी पासपोर्ट के जरिए कोलकाता से दुबई भाग गया था। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आईएस-227 गैंग में अब भी 121 सक्रिय सदस्य और 70 से अधिक सहयोगी मौजूद हैं।इधर 'शाइन सिटी' प्रोजेक्ट के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी के आरोपी राशिद नसीम की गिरफ्तारी के बाद भी यूपी की मोस्ट वांटेड सूची में उसका नाम बना हुआ है। सूत्रों के अनुसार उसकी गिरफ्तारी के बाद सूची को अभी अपडेट नहीं किया गया है।

बरसाना में मंदिर पुजारी की चाकू मारकर हत्या

» इलाज के दौरान मौत, पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लेकर शुरू की जांच

» श्रृंगार आरती के बाद कमरे की ओर जाते समय अज्ञात हमलावरों ने किया जानलेवा हमला

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

मथुरा। मथुरा जिले के बरसाना क्षेत्र के गांव सहार स्थित राधा बल्लभ मंदिर में रविवार सुबह मंदिर के पुजारी पर अज्ञात हमलावरों ने चाकू से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल पुजारी की देर रात उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मामले में गांव के ही दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार मंदिर के पुजारी मोहन दास उर्फ गूंगा बाबा सुबह करीब नौ बजे श्रृंगार आरती करने के बाद मंदिर परिसर में स्थित अपने कमरे की ओर जा रहे थे। इसी दौरान अज्ञात हमलावरों ने उन पर चाकू से गले और पेट पर कई वार कर दिए। हमलावर घटना के बाद मौके से फरार हो गए।

घटना की जानकारी उस समय हुई जब सुबह करीब साढ़े दस बजे कुछ श्रद्धालु पूजा के लिए मंदिर पहुंचे। उन्होंने पुजारी को खून से लथपथ हालत में देखा और ग्रामीणों की मदद से उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां देर रात इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

मामले में पुजारी के गुरु वैष्णव दास ने अज्ञात हमलावरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मंदिर और आसपास के क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले हैं, हालांकि फिलहाल किसी संदिग्ध की स्पष्ट तस्वीर सामने नहीं आई है।सुरेश चंद्र रावत, एसपी ग्रामीण ने बताया कि पुजारी मूल रूप से मध्य प्रदेश के निवासी थे और पिछले सात-आठ वर्षों से मंदिर में रहकर पूजा-अर्चना कर रहे थे। घटना के खुलासे के लिए तीन पुलिस टीमें गठित की गई हैं और सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

टीबी मेल हेल्थ विजिटर्स संघ की नई कार्यकारिणी की बैठक में कई मुद्दों पर हुआ मंथन

थर्ड एसीपी, स्थाईकरण, ट्रांसफर नीति और वेतनमान से जुड़े मुद्दों पर चर्चा

» स्वराज इंडिया संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश टीबी मेल हेल्थ विजिटर्स संघ की नई कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक लखनऊ में संघ के अध्यक्ष सागर पाण्डेय की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में संगठन से जुड़े विभिन्न प्रशासनिक, सेवा संबंधी और कर्मचारी हितों के मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।बैठक में संघ के पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों ने अपनी-अपनी समस्याओं और मांगों को साझा किया तथा उनके समाधान को लेकर रणनीति पर चर्चा की। अध्यक्ष सागर पाण्डेय ने बताया कि चुनाव के समय लिए गए निर्णय के अनुसार कार्यकारिणी की बैठक प्रत्येक 6 माह में आयोजित की जाएगी, जिसमें संघ की प्रमुख मांगों और कर्मचारियों से जुड़े मुद्दों पर समीक्षा की जाएगी।उन्होंने बताया कि चुनाव के बाद आयोजित पहली कार्यकारिणी बैठक में कई महत्वपूर्ण विषयों पर सहमति बनी। इसमें 26 वर्ष की सेवा पूर्ण करने के बाद कर्मचारियों को थर्ड एसीपी का लाभ दिलाने के लिए संबंधित उच्च अधिकारियों से पत्राचार करने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही थर्ड एसीपी में ग्रेड पे तथा नॉन प्रमोशनल इनक्रीमेंट के मुद्दे को लेकर भी उच्च अधिकारियों से वार्ता करने की रणनीति बनाई गई।

बैठक में कर्मचारियों की शैक्षिक योग्यता और डिप्लोमा से जुड़े मामलों की समीक्षा करने, लंबे समय से कार्यरत कर्मचारियों के स्थाईकरण के लिए पत्राचार करने तथा वर्ष 2026-27 के लिए ट्रांसफर प्रक्रिया से संबंधित विषयों पर भी चर्चा की गई। बैठक के अंत में नई कार्यकारिणी के सदस्यों को मनोनयन पत्र वितरित किए गए और संगठन को मजबूत बनाने के लिए सभी पदाधिकारियों से सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया।

अयोध्या

रामनगरी में '30 लाख की नर्सिंग'

अब 7 लाख का नया खुलासा चेक बाउंस से बढ़ी मुश्किलें

» व्यापारी के बाद एक और शख्स ने भी लगाए संगीन आरोप

» आईजीआरएस में दबा मामला, अब एनआई एक्ट के तहत कानूनी कार्रवाई

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। रामनगरी में जिला महिला चिकित्सालय से जुड़ा चर्चित 30 लाख की नर्सिंगफ मामला अब और गहराता जा रहा है। अस्पताल में तैनात नर्स विमला देवी उर्फ विमला निषाद पर लगे ठगी के आरोपों में अब एक और नया खुलासा सामने आया है।इस प्रकरण की शुरुआत तब हुई जब एक स्थानीय व्यापारी ने नर्स पर करीब 30 लाख रुपये लेने और चेक बाउंस होने का आरोप लगाया। आरोप है कि शादी और मकान निर्माण का हवाला देकर धीरे-धीरे बड़ी रकम ली गई और भरोसे के बदले दिया गया चेक बैंक में लगाने पर अनादृत हो गया। पीड़ित ने इस मामले को शासन की शिकायत प्रणाली आईजीआरएस तक पहुंचाया, लेकिन आरोप है कि अस्पताल प्रशासन ने निष्पक्ष जांच कराने के बजाय फर्जी आख्या रिपोर्ट लगाकर शिकायत निस्तारित कर दी।

स्वराज इंडिया FOLLOW UP

इसी बीच इस मामले में एक और नया नाम सामने आया है। इन्द्रसेन यादव ने भी आरोप लगाया है कि नर्स ने उनसे 7 लाख रुपये लिए और बदले में दिया गया चेक बैंक में लगाने पर बाउंस हो गया। इसके बाद इन्द्रसेन यादव ने एनआई एक्ट के तहत अदालत में मुकदमा दायर किया है और नर्स को कानूनी नोटिस भी प्राप्त हो चुका है।लगातार सामने आ रहे आरोपों ने अब पूरे मामले को सिर्फ एक व्यक्तिगत विवाद से आगे बढ़ाकर सार्वजनिक चर्चा का विषय बना दिया है। सवाल यह उठ रहा है कि जब एक के बाद एक लोग सामने आ रहे हैं तो स्वास्थ्य विभाग इस मामले में स्पष्ट कार्रवाई क्यों नहीं कर रहा। रामनगरी अयोध्या, जिसे प्रदेश सरकार वैश्विक धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान देने में जुटी है, वहां इस तरह के आरोप प्रशासनिक जवाबदेही पर भी प्रश्न खड़े करते हैं। अब निगाहें इस बात पर हैं कि क्या इस मामले की निष्पक्ष जांच होगी या फिर यह प्रकरण भी सरकारी फाइलों की परतों में दब कर रह जाएगा।

स्वराज इंडिया

अयोध्या

रामनगरी में '30 लाख की नर्सिंग': भरोसे की आड़ में ठगी या सिस्टम की चुप्पी?

देवकाली में बैठक, फार्मासिस्टों की समस्याओं को प्रशासन तक पहुंचाने का लिया संकल्प

» अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन की अयोध्या शाखा में ब्लॉक कमेटियों का गठन

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। फार्मासिस्टों के हितों की आवाज को मजबूत करने और संगठन को जमीनी स्तर तक सक्रिय बनाने के उद्देश्य से अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन की अयोध्या शाखा में ब्लॉक स्तरीय कमेटियों का गठन किया गया।

देवकाली में आयोजित बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अजीत कुमार ने की, जिसमें जिले के कई पदाधिकारी और सदस्य शामिल हुए।

इस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष बृजेश कुमार सिंह ने नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए कहा कि फार्मासिस्ट स्वास्थ्य व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं और उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर होना चाहिए। जिला संरक्षक सुशील तिवारी ने बताया कि कई स्थानों पर फार्मासिस्टों को प्रशासनिक व व्यावसायिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

इन मुद्दों को लेकर संगठन जल्द ही औषधि निरीक्षक से मुलाकात करेगा। बैठक में प्रदेश पदाधिकारी राकेश यादव सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे और संगठन को ब्लॉक स्तर तक मजबूत करने का संकल्प लिया गया।

गल्ला व्यापारियों से 50 हजार ऐंठने वाला आरोपी गिरफ्तार: एसपी ग्रामीण

गोंडा का शिक्षक निकला ठग

» फर्जी नंबर प्लेट वाली बाइक से करता था ठगी, कुमारगंज पुलिस ने 23 हजार रुपये के साथ दबोचा

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या में गल्ला व्यापारियों को अनाज के सौदे का झांसा देकर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए पुलिस ने एक ऐसे आरोपी को गिरफ्तार किया है जो पेशे से शिक्षक है और गोंडा में अपने पिता के स्कूल में पढ़ाता है।

एसपी ग्रामीण बलवन्त चौधरी ने प्रेसवार्ता में बताया कि आरोपी फर्जी नंबर प्लेट लगी मोटरसाइकिल से ठगी की वारदातों को अंजाम देता था और पहले भी कई जगह इसी तरह की घटनाएं कर चुका है।

एसपी ग्रामीण बलवन्त चौधरी ने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. गौरव ग्रोवर के निर्देशन में जनपद में अपराध नियंत्रण और व्यापारियों की सुरक्षा के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत क्षेत्राधिकारी मिल्कीपुर के पर्यवेक्षण में थाना कुमारगंज पुलिस ने ठगी करने वाले शातिर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की।

गिरफ्तार अभियुक्त जितेंद्र बहादुर सिंह निवासी ग्राम नौसहरा थाना परसपुर जनपद गोंडा है। एसपी ग्रामीण के अनुसार आरोपी 26 फरवरी को कुमारगंज क्षेत्र में एक गल्ला व्यापारी को 9.5 क्विंटल सरसों बेचने का झांसा देकर 50 हजार रुपये लेकर फरार हो गया था। वह व्यापारी को थाने तक ले आया और चाभी लाने का बहाना बनाकर मौके से रफूचक्कर हो गया। एसपी ग्रामीण ने बताया कि पुलिस टीम ने विवेचना के दौरान घटना का सफल अनावरण करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से 23 हजार रुपये और घटना में प्रयुक्त फर्जी नंबर प्लेट लगी पैशन प्रो मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

श्रीगुरु वशिष्ठ गुरुकुल विद्यापीठ में कराई गई प्रवेश परीक्षा

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। श्रीगुरु वशिष्ठ गुरुकुल विद्यापीठ, अयोध्या की प्रवेश परीक्षा रविवार को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। परीक्षा में पांच से अधिक प्रांतों से आए बड़ी संख्या में छात्रों ने हिस्सा लिया। प्रवेश परीक्षा प्रभारी एवं पूर्व प्राचार्य दु:ख हरण नाथ मिश्र ने बताया कि गुरुकुल में चतुर्वेदों के साथ-साथ कृष्ण यजुर्वेद और वाजसनेयी यजुर्वेद के दो नए बैचों के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा के संचालन में आचार्य अक्षय वी. देवघर, आचार्य आशुतोष तिवारी, आचार्य शिवांकर पाठक, अंकुर मिश्र तथा कंप्यूटर आचार्य ऋषि मिश्रा का विशेष सहयोग रहा। गुरुकुल प्रबंधन ने बताया कि चयनित छात्रों की सूची जल्द जारी की जाएगी।

होर्मुज संकट से वैश्विक तेल बाजार में हलचल

जंग पर अड़ा ईरान
'न सीजफायर, न बातचीत'

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में जारी सैन्य टकराव के बीच ईरान ने साफ कर दिया है कि वह फिलहाल किसी भी प्रकार के युद्धविराम या बातचीत के पक्ष में नहीं है। ईरानी नेतृत्व का कहना है कि देश की सुरक्षा और रणनीतिक हितों की रक्षा के लिए उसके सशस्त्र बल आवश्यक समय तक युद्ध जारी रखेंगे। इस घोषणा ने पश्चिम एशिया में पहले से बढ़े तनाव को और गहरा कर दिया है, जबकि वैश्विक ऊर्जा बाजार भी इस संघर्ष के प्रभाव से अस्थिर हो उठा है।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराग्ची ने कहा कि तेहरान ने न तो सीजफायर की मांग की है और न ही किसी वार्ता की पहल की है। उनके अनुसार ईरानी सशस्त्र बल तब तक सैन्य कार्रवाई जारी रखेंगे जब तक परिस्थितियां इसकी मांग करती रहेंगी।

मिडिल ईस्ट में अमेरिका और इजराइल के साथ ईरान का सैन्य टकराव अब तीसरे सप्ताह में प्रवेश कर चुका है। हालात ऐसे हैं कि रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण स्ट्रेट आफ होर्मुज क्षेत्र में असुरक्षा बढ़ने से जहाजों की आवाजाही भी प्रभावित हो गई है। अराघची ने कहा कि जलडमरूमध्य को पूरी तरह बंद नहीं किया गया है, लेकिन अमेरिकी हमलों के कारण क्षेत्र में जोखिम बढ़ा है। कुछ देशों ने अपने जहाजों की सुरक्षित आवाजाही के लिए ईरान से संपर्क भी किया है, हालांकि इस पर अंतिम निर्णय ईरानी सैन्य बलों को लेना है।

वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिहाज से यह समुद्री मार्ग बेहद अहम माना जाता है। दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल की सप्लाई इसी रास्ते से गुजरती है। सुरक्षा कारणों से कई शिपिंग कंपनियों और तेल निर्यातकों ने अपने परिचालन सीमित कर दिए हैं, जिसके कारण सैकड़ों जहाजों के फंसने की खबरें भी सामने आई हैं। तनाव की जड़ 28 फरवरी को शुरू हुए हमलों को माना जा रहा है, जब अमेरिका और इजराइल ने ईरान के परमाणु और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया था। इसके जवाब में ईरान ने खाड़ी क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी ठिकानों को लक्ष्य बनाते हुए मिसाइल और ड्रोन हमले करने का दावा किया है। ईरान के मुताबिक उसके निशाने अमेरिकी सैन्य अड्डे थे, हालांकि कुछ स्थानों पर हवाई अड्डों और रिहायशी इलाकों के प्रभावित होने की खबरें भी सामने आई हैं।

अब्बास अराग्ची

इस बीच युद्ध की अवधि को लेकर भी कयास तेज हो गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के शीर्ष आर्थिक सलाहकार और व्हाइट हाउस की राष्ट्रीय आर्थिक परिषद के प्रमुख Kevin Hassett ने कहा है कि पेंटागन के आकलन के अनुसार यह संघर्ष चार से छह सप्ताह तक चल सकता है। अमेरिकी टीवी कार्यक्रम Face the Nation में उन्होंने कहा कि मिशन का लक्ष्य ईरान की सैन्य क्षमता को कमजोर करना है और अभियान फिलहाल तय योजना के अनुसार आगे बढ़ रहा है।

ऊर्जा बाजार पर भी इस युद्ध का सीधा असर पड़ा है। होर्मुज संकट के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड का भाव 103 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया है। अमेरिकी ऊर्जा सचिव क्रिस राइट ने दिस वीक कार्यक्रम में कहा कि कीमतें फिलहाल ऊंची हैं, लेकिन संघर्ष के समाप्त होते ही आपूर्ति सामान्य होने की उम्मीद है। उधर राष्ट्रपति ट्रंप ने दुनिया के प्रमुख देशों से होर्मुज जलडमरूमध्य को खुला रखने के लिए युद्धपोत भेजने की अपील की है। उन्होंने चीन, फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया और ब्रिटेन से सहयोग की उम्मीद जताई है। हालांकि जापान के राजनीतिक हलकों में इसे सुरक्षा और रणनीतिक दृष्टि से बड़ी चुनौती माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि होर्मुज मार्ग लंबे समय तक बाधित रहता है तो इसका असर वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति, समुद्री व्यापार और कई देशों की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। भारत जैसे बड़े ऊर्जा आयातक देशों के लिए भी यह स्थिति चिंता का विषय बन सकती है।

- ईरान ने स्पष्ट किया–फिलहाल न युद्धविराम, न बातचीत
- अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष तीसरे सप्ताह में
- होर्मुज जलडमरूमध्य में असुरक्षा से जहाजों की आवाजाही प्रभावित
- दुनिया की लगभग 20% तेल आपूर्ति इसी मार्ग से गुजरती है
- ब्रेंट क्रूड की कीमत 103 डॉलर प्रति बैरल पार
- पेंटागन आकलन–युद्ध 4 से 6 सप्ताह तक चल सकता है
- कई देशों से होर्मुज की सुरक्षा के लिए युद्धपोत भेजने की अपील

मुख्यमंत्री योगी 900 करोड़ रुपये की पहली किश्त सीधे लाभार्थियों के खातों में करेंगे ट्रांसफर

पीएम आवास योजना में 90 हजार शहरी परिवारों को सौगात

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार आज गरीबों के लिए आवास उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है।सोमवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में आयोजित विशेष समारोह में मुख्यमंत्री 'प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0' के तहत प्रदेश के 90 हजार शहरी लाभार्थियों को आवास निर्माण की पहली किश्त के रूप में 900 करोड़ रुपये सीधे उनके बैंक खातों में ट्रांसफर करेंगे।

अपराह्न 4ः30 बजे शुरू होने वाले इस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना और नगर विकास मंत्री अरविंद कुमार शर्मा समेत कई कैबिनेट मंत्री और जनप्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम में लखनऊ और अयोध्या मंडल के करीब 1,500 लाभार्थी प्रत्यक्ष रूप से शामिल होंगे, जबकि अन्य जिलों के हजारों लोग वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कार्यक्रम से जुड़ेंगे।समारोह के दौरान मुख्यमंत्री 20 लाभार्थियों को प्रतीकात्मक रूप से आवास स्वीकृति प्रमाण-पत्र भी सौंपेंगे। इसके साथ ही वह फतेहपुर, गोरखपुर, प्रयागराज, सहारनपुर, महाराजगंज और देवरिया के लाभार्थियों से वर्चुअल संवाद कर उनके

अनुभव भी सुनेंगे।सरकारी आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2014 से अब तक प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के तहत उत्तर प्रदेश में 21.35 लाख आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं। इन आवासों के निर्माण के लिए लाभार्थियों के खातों में अब तक 44,471 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि जारी की जा चुकी है।यदि शहरी और ग्रामीण योजनाओं को मिलाकर देखा जाए तो राज्य सरकार अब तक 62 लाख से अधिक परिवारों को आवास उपलब्ध करा चुकी है। इसमें प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी और ग्रामीण), मुख्यमंत्री आवास योजना और माफियाओं से मुक्त कराई गई जमीनों पर बनाए गए गरीबों के फ्लैट्स भी शामिल हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक: अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853,
❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादक: पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com